राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 232 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,14 फरवरी 2021 , मूल्य रु. 1.50

जैश आतंकी ने उगला डोभाल पर हमले का पाक षड्यंत्र

दफ्तर की रेकी कर वीडियो सीमा पार भेजा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में आतंक फैलाने के पाकिस्तानी साजिशों का एक बार फिर पर्दाफाश हो गया है। बीते दिनों गिरफ्तार हुए जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ने खुलासा किया है कि कैसे पाकिस्तान भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल पर पैनी नजर रखे हुए है। इसके लिए पाकिस्तान ने डोभाल के दफ्तर की रेकी तक कराई।

जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी के खुलासे बाद कि उसने पाकिस्तान स्थित हैंडलर के निर्देश पर राजधानी में सरदार पटेल भवन और अन्य अहम ठिकानों की जासूसी (रेकी) की है, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के दफ्तर और आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मामले से जुड़े लोगों ने इस बात की जानकारी दी। अजीत डोभाल भारत के सबसे अधिक प्रोटेक्टेड शख्सियतों में से एक हैं। अजीत डोभाल 2016 की उरी सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 बालाकोट अटैक के बाद से ही पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकी समूहों के टारगेट में रहे हैं। नाम न जाहिर होने देने की शर्त पर इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि एनएसए अजीत डोभाल को संभावित खतरे से सुरक्षा एजेंसियों और गृह मंत्रालय को अवगत करा दिया गया है। बता दें कि सरदार पटेल भवन में ही अजीत डोभाल का दफ्तर है।

दिल्ली और श्रीनगर के अधिकारियों ने कहा कि जैश के आतंकी हिदायत-उल्लाह मलिक से पूछताछ के दौरान अजीत डोभाल के कार्यालय की जासूसी वाले वीडियो के बारे में जानकारी सामने आई।

बता दें कि शोपियां के रहने वाले इस जैश ऑपरेटर मलिक को 6 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। मलिक के खिलाफ जम्मू के गंग्याल पुलिस स्टेशन में धारा 18 और 20 यूएपी अधिनियम के तहत एक केस दर्ज किया गया है, जिसकी एफआईआर नंबर-15/2021 है। मलिक, जो कि जैश फ्रंट समूह, लश्कर-ए-मुस्तफा का प्रमुख है, को अनंतनाग में गिरफ्तार किया गया था और उसके पास से हथियार और गोला बारूद बरामद किए गए थे।

मामले से परिचित लोगों ने कहा कि हिदायत मलिक ने पूछताछ के दौरान बताया कि 24 मई 2019 को उसने एनएसए के कार्यालय समेत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सुरक्षा विस्तार का एक जासूसी वाला वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए इंडिगो की फ्लाइट से श्रीनगर से नई दिल्ली आया था। उसने एनएसए के दफ्तर की रेकी करने के बाद उस रिकॉर्ड किए गए वीडियो को व्हाट्सऐपप के जरिए अपने पाकिस्तान स्थित हैंडलर को फॉर्वरड किया था।

कहीं भी, कभी भी नहीं हो सकता प्रदर्शन करने का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि प्रदर्शन करने का अधिकार कहीं भी और कभी भी नहीं हो सकता। इसके साथ ही कोर्ट ने पिछले साल पारित अपने आदेश की समीक्षा की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।

बीते साल एक फैसले में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि शाहीन बाग में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक रास्ते पर कब्जा जमाना स्वीकार्य नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कुछ अचानक प्रदर्शन हो सकते हैं लेकिन लंबे समय तक असहमति या प्रदर्शन के लिए सार्वजनिक स्थानों पर लगातार कब्जा नहीं किया जा सकता है, जिससे दूसरे लोगों के अधिकार प्रभावित हों। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, अनिरूद्ध बोस और कृष्ण मुरारी की पीठ ने कहा कि हमने समीक्षा याचिका और सिविल अपील पर गौर किया है और आश्वस्त हैं कि जिस आदेश की समीक्षा करने की मांग की गई है, उसमें पुनर्विचार किए जाने की जरूरत नहीं है। पीठ ने हाल में फैसला पारित करते हुए कहा कि पीठ ने पहले के न्यायिक फैसलों पर विचार किया और गौर किया कि प्रदर्शन करना और असहमति व्यक्त करने का संवैधानिक अधिकार है लेकिन उसमें कुछ कर्तव्य भी हैं।

पीठ ने शाहीन बाग निवासी कनीज फातिमा और अन्य की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि प्रदर्शन करने का अधिकार कहीं भी और कभी भी नहीं हो सकता है। कुछ अचानक प्रदर्शन हो सकते हैं, लेकिन लंबी समय तक असहमति या प्रदर्शन के मामले में सार्वजनिक स्थानों पर लगातार कब्जा नहीं किया जा सकता है जिससे दूसरों के अधिकार प्रभावित हों। याचिका में पिछले साल सात अक्टूबर के फैसले की समीक्षा करने की मांग की गई थी।

एक नज़र...

अब ऑक्सफोर्ड करेगी बच्चों पर वैक्सीन ट्रायल

लंदन, (एजेंसी)। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक पहली बार अपनी वैक्सीन बच्चों को देने की तैयारी कर रहे हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित की गई इस वैक्सीन में भारत का सीरम इंस्टीट्यूट भी पार्टनर रहा है। सीरम इंस्टीट्यूट इस वैक्सीन को कोविशील्ड के नाम से बेच रहा है. बच्चों पर किसी भी कोरोना वैक्सीन का ये पहला इस्तेमाल होगा। इस वैक्सीन के ट्रायल का अनाउंसमेंट शनिवार को हुआ। युनिवर्सिटी की तरफ से 6 से 17 उम्र समूह के 300 वॉलंटियर्स को रजिस्ट्रेशन करने के लिए कहा गया है।

जहाज में आग से एक जख्मी, तीन लापता

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई से करीब 170 किलोमीटर दूर अरब सागर में शनिवार को एक ऑफशोर सप्लाई जहाज, ग्रेटशिप रोहिणी में आग लग गई। इस हादसे में चालक दल का एक सदस्य घायल हो गया। वहीं आग लगने से कम से कम तीन नौसैनिक लापता हो गए। सूचना पर इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) के जहाज और विमान आग बुझाने के लिए तैनात किए गए हैं। आईसीजी की ओर से बताया गया कि एक चालक दल के सदस्य को चोटें आईं जिन्हें बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल में भेज दिया गया है। भारतीय तटरक्षक के प्रवक्ता के अनुसार, शनिवार सुबह ग्रेटशिप रोहिणी में उस समय विस्फोट हुआ ।

बिना फास्टैग वाहन पर 15 से दोगुना टोल टैक्स

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टोल प्लाजा पर सोमवार से सिर्फ फास्टैग से ही टोल टैक्स का भुगतान किया जा सकेगा। अगर आपके वाहन में फास्टैग नहीं लगा है तो आपको तगड़ा झटका लगेगा। क्योंकि बगैर फास्टैग के वाहनों से दोगुना टोल टैक्स वसूला जाएगा। केंद्र फास्टैग को लागू करने की समय-सीमा कई बार बढ़ा चुकी है। सरकार ने पहली जनवरी से फास्टैग अनिवार्य किया था। लेकिन वाहन मालिकों को थोड़ी राहत देते हुए देशभर में सभी चौपहिया वाहनों के लिए फास्टैग की डेडलाइन 15 फरवरी 2021 तक बढ़ाई गई थी। लेकिन अब बिना छूट के 15 से फास्टैग से ही टोल टैक्स भुगतान की व्यवस्था को लागू की गई है।

65 फीसद से अधिक ट्रेनें हो रही संचालितः रेलवे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के कारण देश में कई ट्रेनों का बंद है। अब भारतीय रेलवे ने रेल सेवाएं कब बहाल होंगी इसको लेकर स्पष्ट कर दिया है। शनिवार को इंडियन रेलवे ने बयान जारी बताया कि सभी यात्री ट्रेनों के परिचालन को दोबारा शुरू करने के लिए कोई निश्चित तारीख निर्धारित नहीं है। रेलवे ने कहा कि क्रमबद्ध तरीके से ट्रेन की संख्या बढ़ा रहे हैं। पहले 65 फीसद से अधिक ट्रेनें चल रही हैं। पिछले महीने 250 से अधिक ट्रेनें ओर जोड़ दी गई है। अगरतला आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल राजधानी एक्सप्रेस को तेजस स्लीपर कोच से बदला जाएगा। तेजस में 15 से स्लीपर कोच भी शुरू होने जा रहा है।

17 भारतीय मछुआरों को पाकिस्तान ने पकड़ा

अहमदाबाद, (एजेंसी)। मछुआरों के एक संगठन के एक अधिकारी ने शनिवार को दावा किया कि पाक नौवहन सुरक्षा एजेंसी ने अरब सागर से 17 भारतीय मछुआरों को पकड़ लिया है। 'नेशनल फिशवर्कर्स फोरम' के सचिव मनीष लोधारी ने कहा कि दो दिन पूर्व पाक जलक्षेत्र में कथित रूप से प्रवेश करने पर पाक की नौवहन सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने भारतीय मछुआरों की तीन नौकाएं भी जब्त कर लीं। दो नौका पोरबंदर जिले से और एक सोमनाथ जिले से एक सप्ताह पहले समुद्र में गई थी जिनमें 17 मछुआरे सवार थे। हालांकि गिर सोमनाथ एवं पोरबंदर के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि नहीं की है।

गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक पर कहा

हम उपयुक्त समय पर देंगे जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक का राज्य के दर्जे से कोई संबंध नहीं है और उपयुक्त समय पर जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा।

लोकसभा में जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2021 पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि इस विधेयक में ऐसा कहीं भी नहीं लिखा है कि इससे जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैं फिर से कहता हूं कि इस विधेयक का जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे से कोई संबंध नहीं है। उपयुक्त समय पर प्रदेश को राज्य का दर्जा दिया जाएगा। 4जी इंटरनेट सुविधाएं दबाव में बहाल करने के आरोप पर जवाब देते हुए शाह ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी जी ने कहा कि 2जी से 4जी इंटरनेट सेवा को विदेशियों के दबाव में लागू किया है। उन्हें पता नहीं है कि यह संप्रग सरकार नहीं, जिसका वह समर्थन करते थे। यह नरेन्द मोदी की सरकार है, जो देश के लिए फैसले करती है। उन्होंने कहा कि यहां कहा गया कि अनुच्छेद 370 हटाने के वक्त जो वादे किए गए थे, उनका क्या हुआ? मैं उसका जवाब जरूर दूंगा लेकिन पूछना चाहता हूं कि अभी तो अनुच्छेद 370 को हटे हुए केवल 17 महीने हुए हैं, आपने 70 साल क्या किया उसका हिसाब लेकर आए हो क्या?

जम्मू कश्मीर की स्थिति को समझें

शाह ने कहा कि जिन्हें पीढ़ियों तक देश में शासन करने का मौका मिला, वे अपने गिरेबां में झांककर देखें, क्या आप हमसे 17 महीने का हिसाब मांगने के लायक हैं या नहीं। गृह मंत्री ने कहा कि मैं इस सदन को फिर से एक बार कहना चाहता हूं कि कृपया जम्मू कश्मीर की स्थिति को समझें। राजनीति करने के लिए कोई ऐसा बयान न दें, जिससे जनता गुमराह हो। शाह ने कहा कि औवेसी अफसरों का भी हिन्दू मुस्लिम में विभाजन करते हैं। एक मुस्लिम अफसर हिन्दू जनता की सेवा नहीं कर सकता या हिन्दू अफसर मुस्लिम जनता की सेवा नहीं कर सकता क्या? उन्होंने कहा कि अफसरों को हिन्दू-मुस्लिम में बांटते हैं और खुद को धर्मनिरपेक्ष कहते हैं।

जम्मू-कश्मीर में विकास के काम थम गए

द्रमुक की टी सुमथि ने कहा कि एक पूर्ण राज्य को केंद्रशासित प्रदेश बना दिया गया ताकि राज्य के प्रशासन में केंद्र का दखल हो। उन्होंने दावा किया कि अगर सरकार प्रचंड बहुमत के दम पर इसी तरह के फैसले करेगी तो कौन जानता है कि वह कल पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु को भी जम्मू-कश्मीर की तरह बांट दे। तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में पहली बार यह हुआ है कि देश के गृह मंत्री ने किसी प्रदेश को केंद्रशासित प्रदेश में बदल दिया हो। उन्होंने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियां जारी हैं और विकास के काम थम गए हैं। विकास के जो वादे किए गए थे वो पूरे नहीं हुए।

भारत के डूम्सडे मैन बन रहे हैं राहुल : निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि कांग्रेस नेता फर्जी विमर्श गढ़ते हैं, देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होते हैं और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। वह एक डूम्सडे मैन (प्रलय की बात करने वाला व्यक्ति) हैं। सीतारमण ने दस सवालों के माध्यम से आरोप लगाया।

आठ मार्च तक स्थगित हुई लोकसभा की कार्यवाही

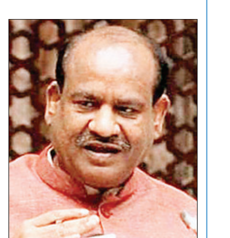

लोकसभा के बजट सत्र का पहला चरण शनिवार को संपन्न हो गया। अब आठ मार्च से बजट सत्र का दूसरा हिस्सा शुरू होगा। बजट सत्र का पहला चरण 29 जनवरी से शुरू हुआ था। लोकसभा में शनिवार को बजट पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का जवाब हुआ। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के पारित होने के बाद शाम करीब सवा पांच बजे निचले सदन की बैठक स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन की बैठक आठ मार्च सोमवार शाम चार बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बजट सत्र का दूसरा चरण आठ मार्च को शुरू होकर आठ अप्रैल तक चलेगा। इस सत्र के दौरान लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर उठे सवालों को लेकर चर्चा हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना जवाब दिया। यही नहीं नए वित्त वर्ष के बजट पर भी चर्चा हुई और वित्त मंत्री निर्मला सीमारमण ने सरकार का पक्ष रखा। शुरुआती हफ्ते में कामकाज तीन नए कृषि कानूनों को लेकर कांग्रेस, द्रमुक सहित विपक्षी दलों के शोर-शराबे के कारण बाधित रहा था लेकिन बाद में सदन में कामकाज सुचारू ढंग से चला। इस सत्र में लोकसभा में महापत्तन प्राधिकरण विधेयक-2020, माध्यस्थम और सुलह संशोधन विधेयक-2021 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक-2021 पारित हुआ।

रजामंदी से अंतरधार्मिक विवाह करने पर सवाल नहीं पूछ सकती पुलिस : सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो वयस्क अगर विवाह के लिए राजी होते हैं तो पुलिस उनसे कोई सवाल नहीं कर सकती। न ही यह कह सकती है कि उन्होंने अपने माता पिता, परिवार या कुटुंब से इसकी अनुमति नहीं ली थी। अदालत ने कहा कि इस मामले में वयस्कों की रजामंदी सर्वोपरि है। विवाह करने का अधिकार या इच्छा किसी वर्ग, सम्मान या सामूहिक सोच की अवधारणा के अधीन नहीं है। अदालत ने कहा कि जब उन्होंने विवाह का प्रमाण-पत्र दिखा दिया तो पुलिस को केस बंद कर देना चाहिए था, लेकिन बयान देने के लिए उन्हें पुलिस थाने धमकाकर बुलाना गैर न्यायोचित है।

दरअसल, एक हिन्दू लड़की और मुस्लिम लड़के ने शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और दंपति ने आरोप लगाया कि जांच अधिकारी उन्हें कर्नाटक वापस आने के लिए मजबूर कर रहा है और पति के खिलाफ मामले दर्ज करने की धमकी दे रहा है। न्यायमूर्ति एसके कौल की पीठ ने कहा कि हम इन हथकंडों को अपनाने में जांच अधिकारी के आचरण को दृढ़ता से रेखांकित करते हैं। इस अधिकारी को परामर्श के लिए भेजा जाना चाहिए ताकि वह सीखे कि ऐसे मामलों का प्रबंधन कैसे किया जाए। अगर वह वास्तव में बयान दर्ज करना चाहता था तो उसे सूचित करना चाहिए था कि वह उनसे मिलने आए और बयान दर्ज कराए, बजाए पति के खिलाफ कार्रवाई की धमकी देने के कि पुलिस स्टेशन में आओ।

ऋषिगंगा पर बनी झील से खतरा टला

बरसात से पहले खाली होना जरूरी, नहीं तो मचेगी तबाही

देहरादून , (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले स्थित ऋषिगंगा पर बनी झील रिसने से भले ही फिलहाल खतरा कम हो गया है, लेकिन यदि झील को जल्द खाली नहीं कराया गया तो मानसून में यह झील बड़ी तबाही का कारण बन सकती है।

वाडिया हिमालय भू विज्ञान संस्थान से हाल में रिटायर हुए वरिष्ठ ग्लेशियर वैज्ञानिक डॉ डीपी डोभाल ने ऐसी आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि ऋषिगंगा पर बनी झील से लगातार रिसाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि इससे झील का जल स्तर बढ़ेगा नहीं। लेकिन यह फौरी राहत है। डॉ डोभाल का मानना है कि ऋषिगंगा पर बनी झील नई है। अभी सर्दी की वजह से पानी भी ठंडा है और ठंड से मिट्टी व पत्थरों का ढ़ेर भी सॉलिड हो गया है। लेकिन बरसात के दौरान बहुत तेज बारिश से झील का जल स्तर तो बढ़ेगा ही मलबे में भी कटान हो सकता है। इससे झील कमजोर पड़ जाएगी और पानी फोर्स के साथ झील को तोड़ सकती है। यदि झील भी टूट गई तो यह पानी काफी बड़ी तबाही ला सकता है।

कोविड-19 टीकाकरण: सात हजार से अधिक लोगों को दी गई दूसरी खुराक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत शनिवार को लाभार्थियों को टीके की दूसरी खुराक देने का काम शुरू हुआ। शनिवार को सात हजार से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि शनिवार शाम छह बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार 1,69,215 सत्रों में 80,52,454 लाभार्थियों को टीका दिया गया है। इनमें 59,35,275 स्वास्थ्य कर्मी हैं और 21,17,179 अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मी हैं। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 टीके की पहली खुराक लेने वाले लाभार्थियों को 28 दिन बाद शनिवार को दूसरी खुराक दी गई। डीजीसीआई के मुताबिक दूसरी खुराक चार से छह सप्ताह बाद दी जानी है। शनिवार को 7,668 स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की दूसरी खुराक दी गई।

80 लाख से ज्यादा को लगा टीका

कोरोनाकाल में दर्ज 2 .5 लाख केस होंगे वापस

लखनऊ ■ एजेंसी

योगी सरकार का ऐतिहासिक फैसला

योगी सरकार प्रदेश के व्यापारियों के बाद अब प्रदेश के लाखों लोगों को लॉकडाउन के दौरान हुए मुकदमों में बड़ी राहत देने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आमजन के ऊपर कोविड-19 और लॉकडाउन तोड़ने को लेकर दर्ज हुए मुकदमों को वापस लेने के निर्देश दिए हैं। इससे प्रदेश के 2.5 लाख से अधिक लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

कोविड-19 और लॉकडाउन तोड़ने के मामलों में पुलिस और कचहरी के चक्कर लगा रहे यूपी के लाखों लोगों व व्यापारियों को जल्द ही इससे छुटकारा मिल जाएगा। सरकार प्रदेश भर के थानों में लॉकडाउन की धारा 188 के उल्लंघन को लेकर दर्ज हुए मुकदमें वापस लेने की तैयारी कर रही है। अभी हाल ही में सरकार ने प्रदेश भर के व्यापारियों के खिलाफ लॉकडाउन के दौरान दर्ज हुए मुकदमे वापस लिए जाने के निर्देश जारी किए थे। इसके बाद कानून मंत्री बृजेश पाठक ने व्यापारियों पर दर्ज मुकदमों का ब्योरा जुटाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। राज्य सरकार का मानना है कि कोविड के मुकदमों से आम लोगों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ेगी। थानों में दर्ज मुकदमें वापस होने के बाद लोगों को परेशानी से भी मुक्ति मिल जाएगी।

यूपी बनेगा पहला राज्य

कोविड-19 संक्रमण के दौरान लगे लॉकडाउन के उल्लंघन में प्रदेश के हजारों व्यापारियों के साथ आमजन के खिलाफ विभिन्न थानों में मुकदमें दर्ज किए गए थे। कुछ दिनों पहले सरकार ने व्यापारियों को राहत देते हुए उन पर हुए मुकदमें वापस लेने के निर्देश दिए थे और अब आम जनता पर हुए मुकदमें वापस लेने के निर्देश दिए हैं। वहीं, देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने व्यापारियों व आम जनता पर लॉकडाउन के दौरान हुए मुकदमों को वापस लेने के निर्देश जारी किए हैं।

पांच लोगों की हत्या करने वाला कुश्ती कोच गिरफ्तार

रोहतक, (एजेंसी)। रोहतक के जाट कॉलेज के अखाड़े में पांच लोगों की नृशंस हत्या करने के आरोपित कुश्ती कोच सुखवेंद्र को शनिवार देर शाम दिल्ली पुलिस ने समयपुर बादली से गिरफ्तार कर लिया है। बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी राजीव रंजन सिंह ने आरोपित की गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है। उन्होंने हरियाणा पुलिस के सहयोग से आरोपित को पकड़ने की बात की।

हत्याकांड को अंजाम देने के बाद फरार चल रहे आरोपित कोच पर पुलिस ने शनिवार सुबह एक लाख का इनाम घोषित किया था। आरोपित को पकड़ने के लिए थाना पुलिस और सीआईए के अलावा एसटीएफ की टीम भी लगा दी गई थी। वहीं इस मामले में एसआईटी गठित हो गई है।

मेक इन इंडिया 118 टैंकों की कीमत 8,400 करोड़ रुपए है, युद्ध में बढ़ेगी भारतीय सेना की ताकत

प्रधानमंत्री मोदी आज देश को सौंपेंगे अर्जुन टैंक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

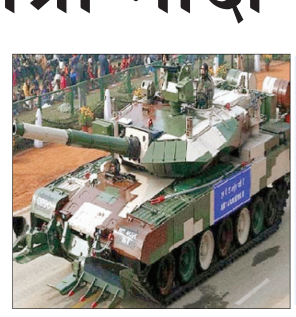

- चेन्नई के अवाडी में टैंक उत्पादन केंद्र
- सेना में शामिल होने हैं 118 टैंक
- सीवीआरडीई ने तैयार किया है डिजाइन

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को देश के मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन मार्क-1 ए को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। माना जा रहा है कि इस आधुनिकतम युद्धक टैंक के सेना में शामिल होने से रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में 118 अर्जुन मार्क 1 ए टैंक को भारतीय सेना में शामिल करने की मंजूरी दी थी। इन टैंकों की कीमत लगभग 8,400 करोड़ रुपए होगी और इससे युद्ध में भारतीय सेना की ताकत बढ़ जाएगी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के अधिकारियों ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को को चेन्नई के अवाडी में टैंक उत्पादन केंद्र में अर्जुन टैंक के नए संस्करण को देश को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहला अर्जुन मार्क-1 ए को देश को सौंपेंगे। उन्होंने बताया कि अर्जुन टैंक का विकास पूरी तरह डीआरडीओ ने भारतीय सेना के साथ समन्वय करके किया है. ये 118 टैंक सेना के पहले बैच में शामिल होंगे। अर्जुन श्रेणी के काफी टैंक पहले ही पश्चिम रेगिस्तान में पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात है। इन 118 अर्जुन टैंक से सेना में बख्तरबंद कोर में दो रेजिमेंट बनाई जाएगी।

कोच्चि में नई परियोजनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कोच्चि में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों की कुछ नई परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। मोदी दोपहर में तमिलनाडु पहुंचेंगे। केंद्रीय जलमार्ग मंत्री मनसुख एल मंडाविया, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन, मोदी के साथ मंच साझा करेंगे। कार्यक्रम में बीपीसीएल के 6,000 करोड़ के प्रोपाइलिन डेरिवेटिव्स पेट्रोकेमिकल्स प्रोजेक्ट को राष्ट्र को समर्पित करना, सागरिका का शुभारंभ, 25 करोड़ के कोचीन पोर्ट के अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल, नए ज्ञान केंद्र के पुनर्निर्माण के लिए आधारशिला रखना इत्यादि शामिल है।

नए स्ट्रेन के टीके पर दावा: एस्ट्राजेनेका ने कहा- कोरोना के नए वैरिएंट के खिलाफ वैक्सीन में 6-9 महीनों का समय लग सकता है

लंदन। फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने कहा कि कोरोना के नए वैरिएंट के खिलाफ कारगर वैक्सीन बनाने में छह से नौ महीने का समय लग सकता है। गार्डियन के मुताबिक,

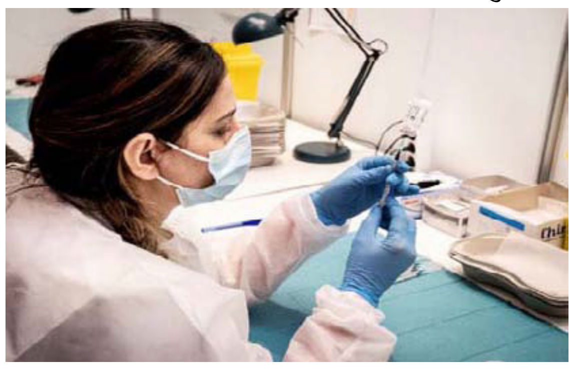

वैक्सीन के अपडेटेड वर्जन के लिए 6 महीने का समय दिए जाने से वैक्सीन विकसित करने की मौजूदा प्रक्रिया में बड़ा और बेहतर बदलाव आएगा।

लंबे समय से इस पर चल रहा काम

एस्ट्राजेनेका में बायोफार्मास्यूटिकल्स आरएंडडी के कार्यकारी उपाध्यक्ष सर मेने पंगलोस ने बताया कि वैरिएंट पर काम आज शुरू नहीं हुआ। यह हफ्तों और महीनों पहले शुरू हुआ था। उन्होंने पुष्टि की कि वह नए वैरिएंट पर पूरी तरह से कारगर वैक्सीन के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

नवंबर-दिसंबर तक पब्लिक को मिल सकती है

उन्होंने कहा कि वैक्सीन शरद ऋतु यानी नवंबर-दिसंबर तक जनता के लिए उपलब्ध हो सकती है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से विकसित कंपनी का टीका मूल वायरस और एक नए वैरिएंट के खिलाफ प्रभावी है, जो कि सबसे पहले ब्रिटेन के केंट इलाके में पाया गया था। हालांकि अलग-अलग देशों में वायरस के नए स्ट्रेन पर इसके असर पर सवाल उठते रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका में वैक्सीन पर उठाए सवाल

दक्षिण अफ्रीका में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन पर सवाल उठाए गए हैं। ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि यह वैक्सीन कोरोना के नए स्ट्रेन के खिलाफ ज्यादा प्रभावी नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया कि एक छोटे पैमाने पर टेस्ट के बाद निकाले गए प्रारंभिक निष्कर्ष हो सकते हैं, जिसमें मौजूदा वैरिएंट के खिलाफ भी वैक्सीन को प्रभावकारी बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि वैक्सीन स्पष्ट रूप से हल्की और मध्यम बीमारी के लिए इस वैरिएंट के खिलाफ काम नहीं करती है। दक्षिण अफ्रीका में नया वैरिएंट काफी तेजी से फैल रहा है।

आतंकियों पर एयर स्ट्राईक : सेना ने मार गिराए 18 आतंकवादी,

काबुल। अफगानिस्तान से एक बड़ी खबर आ रही है जिसमें उत्तरी हिस्से में सुरक्षा हमले में तालिबान के 18 आतंकवादी मारे गए हैं। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई है। मंत्रालय ने यह जानकारी ट्वीट करके दी है जिसमें बताया गया है कि सर्पुल प्रांत के सोजमा कला जिले में कल रात एक हवाई हमले में 18 आतंकवादी मारे गए हैं।

अफगानिस्तान में संघर्ष नहीं रूका

मंत्रालय द्वारा दी गयी जानकारी में बताया गया कि फरयाब प्रांत के कायसर जिले में इसी तरह के एक अभियान में 10 तालिबानी आतंकवादी मारे गए और 8 अन्य घायल हो गए। शान्ति व्यवस्था स्थापित करने के लिए अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच क़तर की राजधानी दोहा में हुए वार्ता के महीनों बाद भी अफगानिस्तान में संघर्ष नहीं रूका।

पाकिस्तान अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया को बाधित कर रहा-भारत

बता दें कि भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान पर तीखा हमला किया, जिसमें कहा गया कि इस्लामाबाद आतंकी संगठनों अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक और लेवंत खुरासान प्रांत (आईएसआईएल के) के जरिए हिंसक हमलों को अंजाम देकर अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया को बाधित कर रहा है। आतंकी समूह अब डूरंड रेखा के पार कुनार और नंगरहार प्रांतों में स्थानांतरित हो रहे हैं।

भारत के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति को मंगलवार को सुरक्षा परिषद की ब्रीफिंग पर कहा कि यह जरूरी है कि हम इस लड़ाई को आसानी से न हारें। हक्कानी नेटवर्क और उसके समर्थकों को विशेष रूप से पाकिस्तानी अधिकारियों ने दक्षिण एशिया में अल कायदा, आईएसआईएल के, तहरीक-तालिबान पाकिस्तान आदि जैसे प्रमुख आतंकवादी संगठनों के साथ काम किया है। आतंकवादी गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को लेकर खतरा बने हुए हैं।

ईरानी वैज्ञानिक की हत्या पर खुलासा

इजराइल के जासूसों ने 8 महीने तैयारी की, 1 टन की मशीनगन टुकड़ों में तेहरान पहुंचाई

तेहरान। तारीख और वक्त : 27 नवंबर 2020, शाम करीब 6 बजे। हाई सिक्योरिटी जोन से 5 ब्लैक गाड़ियां गुजरती हैं। अचानक एक गाड़ी पर हैवी फायरिंग होती है। कुछ ही पल में एक कार में बैठा बुजुर्ग एक तरफ लुढ़क जाता है। काफिले की गाड़ियां रुकती हैं। इसी वक्त कुछ दूरी पर मौजूद एक पिकअप वैन में धमाका होता है। धूल और धुआं जब छंटता है तब पता लगता है कि ईरान के सबसे बड़े न्यूक्लियर साइंटिस्ट मोहसिन फखरीजादेह मारे जा चुके हैं।

तमाम सवाल उठे। मोहसिन को किसने और क्यों मारा? इससे भी बड़ा सवाल- मोहसिन की हत्या को कैसे अंजाम दिया गया। ईरानी जांच एजेंसियां शक तो इजराइल और अमेरिका पर करती रहीं, लेकिन सबूतों के नाम पर उनके हाथ आज भी खाली हैं।

अब इजराइल के ही एक अखबार Jewish Chronicle ने मोसाद के इस ऑपरेशन का खुलासा किया है। उसने अपनी स्पेशल रिपोर्ट में वो तमाम राजफाश किए हैं, जिनका पता ईरान आज तक नहीं लगा पाया।

मोसाद को ईरानी एजेंट्स से मदद मिली

इजराइल, अमेरिका और अरब देश ईरान को एटमी ताकत बनते नहीं देखना चाहते। इजराइल के टारगेट पर ईरानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट पहले भी रहे हैं। कुछ करीब-करीब इसी अंदाज में मारे भी गए। बहरहाल, इजराइली अखबार की रिपोर्ट बताती है कि ऑपरेशन को इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने अंजाम दिया। इसमें उसके कुछ ईरानी एजेंट्स भी शामिल थे। कुल मिलाकर 20 एजेंट्स ने यह मिशन पूरा किया।

8 महीने तक मोहसिन पर नजर रखी

मोसाद के पास मोहसिन के हर मूवमेंट की जानकारी थी। इसके लिए 8 महीने रैकी की गई। हर तरह के इंटेलिजेंस इक्युपमेंट्स

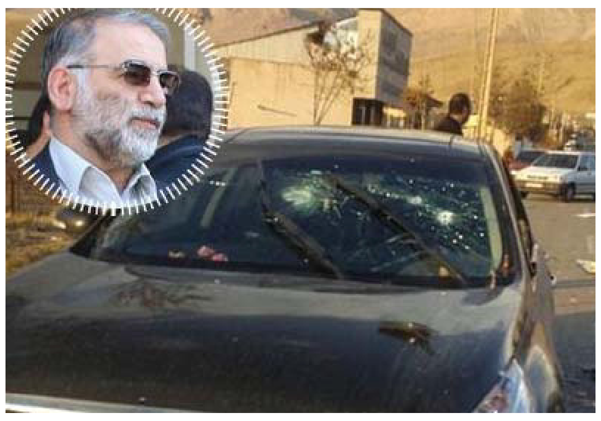

इस्तेमाल हुए। मोहसिन ने 6 साल पहले यानी 2014 में एटमी प्रोग्राम की कमान संभाली। लेकिन, इजराइल ने उन्हें टारगेट तब किया जब वे इसमें कामयाब होने वाले थे। यही वजह है कि मोहसिन अमेरिका, इजराइल और खाड़ी देशों की आंखों में लंबे वक्त से खटक रहे थे।

'ईरानी बम के पितामह'

59 साल के मोहसिन को father of the bomb कहा जाता था। उन्हें 13 गोलियां लगीं। बगल में बैठीं पत्नी और काफिले की दूसरी गाड़ियों के अलावा 12 बॉडीगार्ड्स भी सुरक्षित रहे। ईरान के एक अफसर ने कहा- 62 बंदूकधारियों ने मोहसिन की हत्या की। अब इस दावे पर सिर्फ हंसा जा सकता है, क्योंकि बिना सबूत के उन्होंने यह बात कही। एक वजह यह भी कि ऑपरेशन की सच्चाई इजराइल से ही सामने आ गई है।

कैसे हुआ ऑपरेशन: संक्षेप में

8 महीने तैयारी की गई। 20 एजेंट्स की टीम थी। इजराइल से एक टन वजन वाली एक मशीनगन को स्मगलिंग के जरिए तेहरान में मौजूद एजेंट्स तक पहुंचाया गया। निसान कंपनी की पिकअप वैन खरीदी गई। इसके ऊपर मशीनगन फिट की गई। दिन और वक्त तय किया गया। मोहसिन का काफिला वहां से गुजरा। बाकी अब इतिहास है।

एक बात जिसने ऑपरेशन का कोई सबूत नहीं छोड़ा, वो जरूर समझनी चाहिए। मोसाद के एजेंट्स ने मोहसिन को मारने के बाद फौरन बाद उस पिकअप बैन को उड़ा दिया, जिसकी रूफ यानी छत पर मशीनगन फिट की गई थी। धुएं और धूल के गुबार में ये एजेंट्स फरार हुए और सेफ लोकेशन पर पहुंच गए। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस ऑपरेशन को अकेले मोसाद ने अंजाम दिया। अमेरिका या कोई दूसरा देश इसमें शामिल नहीं था।

कितने अहम थे मोहसिन

इजराइल के प्राइम मिनिस्टर बेंजामिन नेतन्याहू के डिफेंस एडवाइजर जैकब नागेल का बयान ईरान के लिए मोहसिन की अहमियत बताता है। नागेल कहते हैं- मोसाद के पास इस बात के पुख्ता सबूत थे कि मोहसिन ऐसे कई एटमी बम बनाने के करीब थे, जो बेहद घातक हो सकते थे। एक बम से हिरोशिमा जैसे पांच शहर खत्म किए जा सकते थे। हमें लगता था कि उन्होंने अपने हिस्से की जिंदगी पूरी कर ली है।

चीन-अमेरिका रिश्ते: बाइडेन बोले- मैंने लगातार दो घंटे जिनपिंग से बातचीत की, चीन हमारा हक छीनना चाहता है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के 22 दिन बाद जो बाइडेन ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर बातचीत की। बाइडेन के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच लगातार दो घंटे बातचीत हुई। इस दौरान कई मुद्दों पर बातचीत हुई। बाइडेन ने गुरुवार को कहा- हम चीन की पॉलिसी पर नहीं चल सकते। वो हमारा लंच खाना चाहते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान के मायने ये हैं कि चीन अब अमेरिका का हक छीनना चाहता है।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच लंबी बातचीत के दौरान बाइडेन का रवैया सख्त था। इस दौरान ऐसे कई मुद्दे उठे जिनसे चीन को परेशानी होती है।

आमने-सामने भी इतनी लंबी बातचीत नहीं होती

अमेरिका और चीन के बीच लंबे वक्त से कई मुद्दों पर विवाद चल रहे हैं। 2011 में जब बाइडेन वाइस प्रेसिडेंट थे, तब वे चीन के दौरे पर गए थे। तब उन्होंने बीजिंग में ही कहा था- चीन को अमेरिकी हितों का ध्यान रखना होगा। हम अच्छे दोस्त तभी हो सकते हैं, जब एक दूसरे के हितों का ध्यान रखें। अब बाइडेन राष्ट्रपति हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- आमतौर पर अमेरिकी प्रेसिडेंट्स किसी दूसरे नेता से आमने-सामने भी एक घंटे से ज्यादा वक्त तक मुलाकात नहीं करते। ऐसे में जिनपिंग से फोन पर दो घंटे बातचीत के मायने ये हैं कि दोनों देशों के बीच गंभीर मुद्दे हैं। यह कर्टसी कॉल से कुछ ज्यादा था।

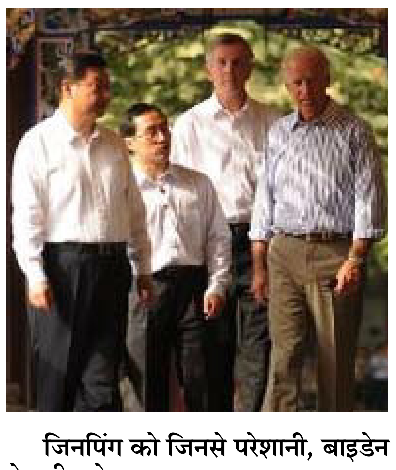

जिनपिंग को जिनसे परेशानी, बाइडेन ने वही मुद्दे उठाए

क्लाईमेट चेंज, इकोनॉमी, हॉन्गकॉन्ग, उईगर मुस्लिम और ट्रेड वॉर- ये तमाम मुद्दे हैं, जिन पर बाइडेन और जिनपिंग की बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाइडेन ने तल्ख लहजे में साफ कर दिया कि चीन अपने हिसाब से दुनिया को नहीं चला सकता। उसे नियमों के हिसाब से चलना होगा। वो पड़ोसियों या छोटे देशों को धमका नहीं सकता और न ही उन पर कार्रवाई कर सकता। बाइडेन ने कैम्पेन के दौरान ही साफ कर दिया था कि चीन पर लगाम लगाई जाएगी और इस पर तेजी से काम होगा। एक बात यह भी है कि बाइडेन ने चीन से ज्यादा तवज्जो भारत को दी। उन्होंने जिनपिंग से पहले मोदी से बातचीत की।

इरादे भी साफ

बाइडे ने सरकार में आने के बाद दो ही स्पेशल टास्क फोर्स बनाई हैं। पहली- कोरोनावायरस पर, दूसरी- चीन पर। इसमें भी खास बात यह है कि चीन पर बनाई गई टास्क फोर्स में सिर्फ रक्षा विभाग पेंटागन के अफसर हैं। इसके सीधे मायने ये हैं कि बाइडेन अब चीन को किसी भी इलाके में ताकत या धौंस दिखाने का मौका नहीं देने वाले।

बाइडेन के इरादों की झलक उनके फैसलों से भी मिल जाती है। पिछले हफ्ते बाइडेन ने दक्षिण चीन सागर में अमेरिका का सबसे खतरनाक वॉरशिप और एयरक्राफ्ट कैरियर थियोडोर रूजवेल्ट तैनात कर दिया। यहां चीन ताइवान और फिलीपीन्स को धमकाने की कोशिश कर रहा था। व्हाइट हाउस ने भी गुरुवार को कहा था कि अमेरिका अब किसी भी सूरत में चीन की चालों को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके लिए तमाम जरूरी तैयारियां की जा रही हैं।

पुतिन के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को हवा देने में यूएस भी शामिल, फिर बन सकता है दुश्मन नंबर वन!

मास्को। बीते कुछ माह से रूस में शुरू हुई राजनीति की जंग को लेकर दुनिया के कई देश बयानबाजी कर रहे हैं। वहां के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को सजा दिए जाने और उनके समर्थन में होने वाले विरोध प्रदर्शनों को बल पूर्वक दबाने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कड़ी आलोचना भी हो रही है। ऐसे में दो सवाल बेहद खास हैं जिनका जवाब जानना जरूरी है। इनमें पहला सवाल है कि इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे की सच्चाई क्या है। दूसरा सवाल है कि क्या इन विरोध प्रदर्शनों को हवा देने में बाहरी ताकतों का भी हाथ हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

इस बारे में जवाहललाल यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और सेंटर फॉर रशियन एंड सेंट्रल एशियन स्टडीज की प्रमुख अर्चना उपाध्याय का साफतौर पर कहना है कि पुतिन के खिलाफ होने वाले प्रदर्शनों को बाहरी देशों से हवा दी जा रही है। उन्हें इस बात की आशंका दिखाई देती है कि इन विरोध प्रदर्शनों को ये देश न सिर्फ हवा दे रहे हैं बल्कि कहीं न कहीं इसकी फंडिंग भी ये कर रहे हैं। उनके मुताबिक इसमें कहीं न कहीं अमेरिका भी शामिल हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पुतिन को कहीं न कहीं ट्रंप समर्थक या प्रो-ट्रंप माना जाता था। 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में कहा जाता है कि रूसी हैकर्स की उन्हें जिताने में एक अहम भूमिका रही थी। वहीं अब डेमोक्रेट के आने के बाद माना जा रहा है कि रूस एक बार फिर से अमेरिका के लिए उसका दुश्मन नंबर वन बन कर उभर सकता है। इसलिए इस तरह के विरोध प्रदर्शनों हवा दी जा रही है। प्रोफेसर उपाध्याय मानती हैं कि उनके खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों में जो पश्चिमी देश शामिल हैं उनमें भी इसको लेकर कहीं न कहीं मतभेद साफतौर पर उभर कर सामने आ रहे हैं। रूस का सबसे अधिकारी व्यापारिक साझेदारी वाला देश जर्मनी है। जर्मनी भी कई बार उनके खिलाफ बयानबाजी कर चुका है।

कोरोना दुनिया में: बाइडेन बोले- ट्रम्प ने महामारी के दौरान जिम्मेदारी नहीं निभाई, न्यूजीलैंड को आखिरकार वैक्सीन मिली

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 10.82 करोड़ से ज्यादा हो गया। 8 करोड़ 03 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 23 लाख 77 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक बार फिर देश के लोगों से मास्क लगाने की अपील की है। इस दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर जिम्मेदारी न निभाने का आरोप भी लगाया।

अमेरिका को दो करोड़ वैक्सीन डोज और मिलेंगे

बाइडेन नेशनल इंस्टीट्?यूट ऑफ हेल्थ पहुंचे और यहां के स्टाफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका ने दो करोड़ वैक्सीन का ऑर्डर दिया है। ये सभी वैक्सीन फाइजर की होंगी। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के रवैये से खास तौर पर नाराज दिखे। उन्होंने कहा- हालात खराब थे और इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। मैं आप लोगों से अपील करता हूं कि प्लीज मास्क लगाइए। हम अपने देश को फिर पहले की तरह बना सकते हैं। हमने फाइजर और मॉडर्ना को एक-एक करोड़ वैक्सीन का ऑर्डर और दिया है।

न्यूजीलैंड को राहत

न्यूजीलैंड को आखिरकार वैक्सीन मिल ही गई। प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न की इस बात के लिए आलोचना हो रही थी कि जब दुनिया के ज्यादातर देशों में वैक्सीन मुहैया कराई जा रही है तो न्यूजीलैंड क्यों पीछे

रह गया। अब जेसिंडा ने कन्फर्म किया है कि फाइजर वैक्सीन की पहली खेप देश पहुंच चुकी है। पहले कहा गया था कि ये मार्च के पहले हफ्ते में आएगी। माना जा रहा है कि हेल्थ स्टाफ और बॉर्डर सिक्योरिटी यूनिट को यह सबसे पहले दी जाएगी।ब्राजील में फिर मामले बढ़े

ब्राजील में करीब 55 हजार नए मामले सामने आए। इसके साथ ही 1351 लोगों की मौत भी हो गई। एक नई खबर यह है कि ब्राजील में भी कोरोना का नया वैरिएंट मिला है। अमेजन क्षेत्र के प्रशासन ने गुरुवार देर रात इसकी पुष्टि भी कर दी। हालांकि, देश के हेल्थ मिनिस्टर ने साफ कर दिया कि देश में मौजूद वैक्सीन इस नए वैरिएंट के खिलाफ भी पूरी तरह कारगर हैं, लिहाजा इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है।

सऊदी का फैसला

कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सऊदी अरब में भारत समेत 20 देशों के नागरिकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। रियाद में भारतीय दूतावास ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी दी। सोशल मीडिया पर एडवाइजरी शेयर करते हुए कहा गया कि 2 फरवरी से सऊदी अरब में 19 देशों के नागरिकों के प्रवेश पर बैन है। इसमें भारत को भी जोड़ दिया गया है। जिन देशों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें अर्जेंटीना, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, अमेरिका, इंडोनेशिया, आयरलैंड, इटली, पाकिस्तान, ब्राजील, पुर्तगाल, ब्रिटेन, तुर्की, साउथ अफ्रीका, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, लेबनान, मिस्र और जापान शामिल हैं।

अमेरिका में भीषण हादसा: आपस में टकराईं 100 गाड़ियां

टेक्सस। अमेरिका के टेक्सस के पास सुबह भयंकर हादसा देखने को मिला। इस हादसे में करीब 100 गाड़ियां एक दूसरे से टकराकर हादसे का शिकार हो गई। बारिश के चलते बढ़ी फिसलन से कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जनों लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह आशंका जताई जा रही है कि मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

मदद करने पहुंची आपातकालीन कर्मचारी

आपको बता दें, घटनास्थल पर जब स्थानीय लोग पहुंचे तो हादसे का शिकार हुए लोगों को मदद पहुंचाना उनकी क्षमता से बाहर था। फिसलन इतनी ज्यादा थी कि वे लोगों को बाहर निकाल नहीं पा रहे थे। जिसके चलते इस हाईवे को बंद कर दिया गया। रिचर्डसन में बर्फ और कम तापमान के कारण हुए हादसों के बाद आपातकालीन कर्मचारी फंसे हुए लोगों को बचाने और

सफाई करते देखे गए।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 75 से 100 वाहनों को बड़े पैमाने पर दुर्घटना हुई है। कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने बताया की सर्दियों के तूफान के कारण ऐसा हुआ। हादसे की कुछ तस्वीरें देख कर पता लगाया जा सकता है कि गाड़ियों की टक्कर कितनी ज़ोरदार हुई होगी। सभी गाड़ियां एक-दूसरे के ऊपर चढ़ी दिखाई दे रही हैं और उन्हें अलग-अलग पहचानना मुश्किल है। हादसे की गंभीरता का पता इस बात से चलता है कि कई गाड़ियों की टक्कर आमने-सामने से हुई है यानी फिसलन इतनी ज्यादा थी कि ये पूरी तरह घूम गई थीं।

प्यार का उम्र से क्या वास्ता: पाकिस्तान में 80 साल के व्यक्ति का 75 साल की महबूबा से निकाह, बचपन से थी मुहब्बत

लाहौर। पाकिस्तान से एक दिल को छू लेने वाली खबर आ रही है। यहां 80 साल के बुजुर्ग ने 75 साल की महिला से निकाह किया। खास बात यह है कि दोनों के बीच बचपन में प्यार हुआ था। मुहब्बत तब परवान भी चढ़ी, लेकिन निकाह नहीं हो पाया। दोनों ने अब आखिरी सांस तक साथ जीने-मरने की कसम खाई है।

अतहर और नाजरीन की लव स्टोरी

nayadaur टीवी ने इस मामले की जानकारी दी है। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक, मामला पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर शहर से जुड़ा है। शहर से कुछ दूरी पर एक गांव है। इस गांव में 80 साल के अतहर खान रहते हैं। कुछ दूरी पर 75 साल की नाजरीन भी रहती हैं। जवानी के दौर में दोनों एक-दूसरे से बेइंतहां मुहब्बत करते थे। लेकिन, कहानी में ट्विस्ट किसी फिल्म की तरह आया। दोनों के परिवार शादी के खिलाफ थे। इसलिए तब यह कहानी आगे नहीं बढ़ सकी।

अब भी कोई गिला नहीं

वक्त अपनी रफ्तार से गुजरता गया। अतहर की शादी और फिर चार बच्चे हुए। 6 साल पहले उनकी शरीक-ए-हयात यानी पत्नी चल बसीं। वे अकेले हो गए। यही सब कुछ नाजरीन की तकदीर में भी लिखा था। नाजरीन के शौहर का 9 साल पहले इंतकाल हो

गया। नाजरीन के 6 बच्चे हैं और सभी का निकाह हो चुका है। बुढ़ापे में बच्चे ही सहारा थे, लेकिन अतहर और नाजरीन का आरोप है कि इस उम्र में उनके बच्चों ने साथ छोड़ दिया। इसके बाद दोनों ने निकाह का फैसला किया। निकाह में कुछ रिश्तेदार और करीबी दोस्त भी शामिल हुए।

कांग्रेस के जल्दी ही दो फाड़ होने की संभावना-अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राजनीतिक तौर पर नौसिखिया बताते हुए कहा कि यदि समस्याओं को जाने बिना गांधी परिवार काम करता रहा, तो आने वाले समय में कांग्रेस के दो फाड़ हो जाएंगे। प्रदेश भाजपा की ओर से महिला उद्यमियों के लिए बजट 2021-22 पर चर्चा के लिए आयोजित सम्मेलन में श्री ठाकुर ने बजट को देश और समाज के हर वर्ग के लिए लाभप्रद एवं आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने वाला बताते हुए कहा कि मोदी है तो मुमकिन है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के नेता किसान मुद्दे पर मोदी सरकार को हर रोज आड़े हाथों लेते हैं, लेकिन कांग्रेस का कोई भी सांसद एक कारण नहीं बता पाया कि कृषि कानूनों में खराबी क्या है और किस नियम के तहत वे मंडी बंद हो जाने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान मुद्दे पर सिर्फ भ्रम फैलाया जा रहा है और वह भी उन नेताओं द्वारा जो ज्वार और गेहूं का फर्क नहीं जानते। कांग्रेस में दो खेमे बन गए हैं, एक जो झूठ के साथ है और दूसरा जो सच के साथ है। ऐसे में आने वाले समय में कांग्रेस दो फाड़ हो जाए तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। गांधी परिवार का काम केवल समस्याएं पैदा करना और देश के हर वर्ग को धोखा देकर लूटने का है। इनका नारा है कि ह्लऐसा कोई बचा नहीं जिसको हमने ठगा नहींह्व। ये जमीनी नेता अब जमीन हड़पने वाले नेता बन गये हैं, वे हर जगह जमीन हड़प रहे हैं। इसी को देखते हुए जनता ने इनकी जमीन उखाड़ दी है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता की अध्यक्षता में हुए इस सम्मेलन में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन, प्रदेश उपाध्यक्ष बरखा सिंह, मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, प्रदेश मंत्री सुनीता कांगड़ा एवं नीलम धीमान, प्रदेश प्रवक्ता निघत अब्बास, नेहा शालिनी दूआ, सारिका जैन एवं पूजा सूरी उपस्थित रही। प्रदेश महामंत्री और कार्यक्रम के संयोजक कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि पार्टी की ओर से बजट को लेकर छह कार्यक्रम हो चुके हैं। समाज के विभिन्न वर्गों के जुड़े लोगों ने इनमें भाग लिया और यह अभियान अभी आगे भी जारी रहेगा। मंच का संचालन प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष योगिता सिंह ने किया।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि आपदा काल में लाया गया यह एक बेहतरीन बजट है और इसका मकसद भारत की आर्थिक व्यवस्था को आने वाले समय में पांच खरब की ओर विश्व की बेहतरीन अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने बजट में महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर जोर देते हुए कहा कि हर घर तक नल से पीने का साफ पानी पहुंचाने, आवास सुलभ कराने, युवाओं के उनके मनपसंद क्षेत्रों में कुशल बनाकर स्वरोजगार बढ़ाने, महिला एवं बाल विकास, पोषण, आंगनवाड़ी, विद्यालयों, बुजुर्ग महिलाओं तक नकद लाभ पहुंचाने जैसे कार्य इस बजट में शामिल है। उन्होंने पांच लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा योजना, उज्जवला योजना का विस्तार, महिला उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण एवं बैंक ऋण सुविधा का विस्तार से उल्लेख किया।

सम्मेलन में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन ने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं को हर क्षेत्र में सशक्त करने का काम किया है। महिला वर्ग के लिए अब इतनी योजनाएं चलाई जा रही हैं और उनके हाथ में सीधे पैसे भी पहुंच रहे हैं जिससे वे वास्तव में ह्यलक्ष्मीह्ण बन गई हैं। अब घर के पुरुष उन्हें लक्ष्मी के रुप में देखते हैं और उनका सम्मान करते हैं। ये सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुद्रा लोन की भी ज्यादा लाभ महिलाओं को मिला है और 70 प्रतिशत ऋण महिला कारीगरों को दिया गया है। इससे न केवल महिला अपने पैरों पर खड़ी होगी बल्कि इससे परिवार एवं समाज की बेहतरी होगी।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार स्त्री-पुरुष को दो पंख मानती है। एक पंख से उड़ान नहीं भरी जा सकती है इसलिए बजट में महिलाओं की स्थिति में हर तरह का सुधार लाने और उन्हें आर्थिक तौर पर स्वतंत्र बनाने के ऐसे प्रावधान किए गए हैं जिससे उन्हें मुख्यधारा में जोड़ा जा सके। उन्होंने बजट को देश के नवनिर्माण और स्वदेशी को बढ़ावा देने वाला बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि हमारे देश के युवा-युवती नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बने।

रमेश बिधूड़ी ने संसद में उठाया विश्वस्तरीय कौशल केंद्र का मुद्दा

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के सांसद व दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश बिधूड़ी ने संसद में जोनापुर गांव में प्रस्तावित विश्व स्तरीय कौशल केंद्र का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि सिंगापुर सरकार के सहयोग से इस विश्व स्तरीय कौशल केंद्र का निर्माण होना तय हुआ था। 2013 में उस वक्त की दिल्ली की सरकार ने इस केंद्र को बनवाने के लिए सिंगापुर की एक कंपनी को मंजूरी दे दी थी। मंत्रिमंडल की बैठक में केंद्र को बनाने के लिए भी मंजूरी प्राप्त हो गई थी। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए गांव जोनापुर की 37 एकड़ जमीन दिल्ली सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग और पीडब्ल्यूडी को कार्य करने के लिए सौंप दी गई थी। इसके बाद दिल्ली में उस वक्त की सरकार गिर गई थी और राष्ट्रपति शासन लागू हो गया। सांसद रमेश बिधूड़ी ने बताया कि 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद उन्होंने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को शहरी विकास मंत्रालय के समक्ष उठाया था। उसके बाद इस केंद्र को बनाने के लिए 3 करोड़ 28 लाख रुपए ग्राम सभा जौनपुर के खाते में ट्रांसफर भी करवा दिए गए थे। उसके बाद दिल्ली में एक विशिष्ट प्राणी की सरकार का आगमन हुआ। उन्होंने सत्ता में आने के लिए इस विश्व स्तरीय कौशल केंद्र को मीडिया के माध्यम से बहुत प्रचारित किया। दिल्ली की सत्ता में आने के लिए उन्होंने दिखावे के लिए इस केंद्र को बनाने के लिए 2 करोड़ 74 लाख रुपए बाउंड्री वॉल के लिए प्रस्तावित कर दिये गये । इस पूरे केंद्र को बनाने के लिए 254 करोड़ की राशि भी जारी कर दी गई थी। जोनापुर के गांव के लोगों ने 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को सिरे से नकार दिया था। इसलिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने 2015 से लेकर अब तक इस विश्व स्तरीय कौशल केंद्र के कार्य को रुकवा दिया है। इस कौशल केंद्र के निर्माण के लिए मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री व उप राज्यपाल को कई पत्र लिखे हैं। सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि यह विश्व स्तरीय कौशल केंद्र जोनापुर गांव के युवाओं व दिल्ली के युवाओं के लिए आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा। उन्होंने बताया कि संसद में उन्होंने इस मसले को उठाया है और आने वाले समय में इस विषय को लेकर सरकार के वरिष्ठ मंत्री कार्य करेंगे। साथ ही रमेश बिधूड़ी ने कहा कि वह इस विश्व स्तरीय कौशल केंद्र को बनवा कर ही रहेंगे।

गणतंत्र दिवस हिंसा मामले में दीप सिद्धू को लाल किला लेकर पहुंची पुलिस

नई दिल्ली,एजेंसी। गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हुए हिंसा और अराजकता संबंधी घटनाक्रम की जांच के सिलसिले में शनिवार को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा अभिनेता-कार्यकर्ता दीप सिद्धू और एक अन्य आरोपी इकबाल सिंह को लाल किला लेकर पहुंची।

पुलिस के अनुसार, 26 जनवरी को लाल किले में हुई हिंसा और अराजकता के पीछे मुख्य रूप से सिद्धू का हाथ था। उसे दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के दल ने सोमवार की रात को हरियाणा में करनाल बाइपास के पास से गिरफ्तार किया था। सिद्धू को शहर की एक अदालत ने मंगलवार को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिद्धू और मामले में गिरफ्तार एक अन्य आरोपी इकबाल सिंह को अपराध शाखा की टीम लाल किला लेकर गई ताकि गणतंत्र दिवस पर वहां हुई हिंसा और अराजकता संबंधी घटनाक्रम को समझा जा सके। अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा की टीम घटनास्थल की जांच करेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि प्रदर्शनकारी किस मार्ग से वहां पहुंचे और लाल किले पर क्या घटनाक्रम हुआ था। इकबाल सिंह की गिरफ्तारी पर 50,000 रुपए का इनाम घोषित था। उसे मंगलवार की रात को पंजाब के होशियारपुर से गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस ने सिद्धूए जुगराज सिंहए गुरजोत सिंह और गुरजंत सिंह के बारे में सूचना देने वालों को भी एक लाख रुपए इनाम देने की घोषणा की थी जिन्होंने लाल किले पर झंडे फहराए या उस कृत्य में संलिप्त थे।

प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर भड़काने के लिए बूटा सिंहए सुखदेव सिंहए जजबीर सिंह और इकबाल सिंह पर 50ए000. 50ए000 रुपए नकद इनाम की घोषणा की गई। इनमें से सिद्धूए इकबाल सिंह और सुखदेव सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि अन्य आरोपियों को पकडऩे के लिए छापे मारे जा रहे हैं। केंद्र के नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हिंसा हो गई थी और प्रदर्शनकारियों ने लाल किले की प्राचीर पर धार्मिक झंडा फहराया था। हिंसा में 500 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए थे और एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई थी।

पीयूष गोयल ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

नई दिल्ली,एजेंसी। कश्मीर घाटी को देश के शेष भागों से जोड़ने वाली 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-बारामूला रेल लाइन देश की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इस परियोजना के 272 किलोमीटर में से 161 किलोमीटर का कार्य पूरा हो गया है। उधमपुर-कटरा 25 किलोमीटर (जुलाई 2014 में प्रारंभ), काजीगुंड-बारामूला 118 किलोमीटर (अक्टूबर, 2009 में प्रारंभ) और बनिहाल-काजीगुंड 18 किलोमीटर (जून 2013 में प्रारंभ) का कार्य पूरा हो गया है और इन्हें चालू कर दिया गया है। 111 किलोमीटर लंबे कटड़ा-बनिहाल सेक्शन का कार्य प्रगति पर है। इस सेक्शन पर 111 में से 97 किलोमीटर अर्थात 87% कार्य मुख्य रूप से सुरंगों का है।

इस सेक्शन पर 27 मुख्य सुरंगें, जिनकी लंबाई लगभग 97.6 किलोमीटर और 8 एस्केप सुरंगें जिनकी लंबाई 66.4 किलोमीटर है। इस प्रकार, कटरा-बनिहाल सेक्शन पर कुल मिलाकर164 किलोमीटर सुरंगों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

वर्तमान में 136 किलोमीटर मुख्य सुरंग मार्ग, जिसमें मुख्य सुरंग के 97 किलोमीटर में से 83 किलोमीटर और 66.4 किलोमीटर के सुरंग मार्ग में से 55 किलोमीटर का कार्य पूरा हो चुका है।

कुल 37 पुलों में से 26 बड़े पुल और 11 छोटे पुल हैं। वर्तमान में 12 बड़े पुलों और 10 छोटे पुलों का कार्य पूरा हो चुका है और शेष पुलों का कार्य तीव्र गति पर है।

इन पुलों में चिनाब पुल, नदी की तलहटी से जिसकी कुल लंबाई 1315 मीटर, आर्क स्पैन 467 मीटर और ऊंचाई 359 मीटर है, का कार्य भी शामिल है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल होगा। चिनाब पुल के आर्क को बनाने का कार्य प्रगति पर है। इसके 550 मीटर में से 516 मीटर का कार्य पूरा हो चुका है और शेष 34 मीटर का कार्य ही बाकी है। इसे मार्च 2021 तक पूरा कर लिए जाने की उम्मीद है।

भारतीय रेल के पहले केबल स्टे्ड पुल का निर्माण भी अंजी खड्ड पर किया जा रहा है। इसके 193 मीटर के मुख्य पायलन के कार्य में से 120 मीटर का कार्य पूरा हो गया है। अंजी पुल के सहायक पुल के हिस्से का कार्य पुरा हो चुका है।

अन्य बड़े पुलों में पुल संख्या 39 और 43 का कार्य प्रगति पर है। इन पुलों के निर्माण का क्रमशः 191 मीटर और 141 मीटर का कार्य पूरा हो चुका है।

कोरोना लॉकडाउन के दौरान कार्य में उल्लेखनीय प्रगति

रामबन जिले में बनिहाल क्षेत्र के निकट टी -74 आर सुरंग झ्र 7.4 किलोमीटर लंबी एस्केप टनल का कार्य 5.12.2020 को और 8.6 किलोमीटर लंबी मुख्य सुरंग का कार्य दिनांक 3.10.2020 को किया गया। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना पर 11.2 किलोमीटर लंबी पीर पंजाल सुरंग के बाद यह दूसरी सबसे लंबी सुरंग है।

रियासी जिले में 5.2 किलोमीटर लंबी मुख्य सुरंग, अगस्त 2020 में तैयार की गई।

चिनाब पुल झ्र आर्क सैगमेंट को लगाने का कार्य : 373 एमटी का कार्य दिसम्बर 2020 में और 380 एमटी का कार्य चालू माह जनवरी 2021 में (21.01.2021 तक) किया गया। 3262 एमटी आर्क लांचिग का कार्य कोरोना लॉकडाउन के बाद किया गया। आर्क लांचिग के 550 मीटर कार्य में से लगभग 516 मीटर का कार्य पूरा कर लिया गया है और शेष 34 मीटर का कार्य ही बाकी है। इसे मार्च 2021 तक पूरा कर लिए जाने की उम्मीद है।

दक्षिणी जोन में स्वच्छता कार्यक्रम 'एक कदम स्वच्छता की ओर' का हुआ भव्य आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी निगम ने दक्षिणी जोन के जामुनवाला पार्क में स्वच्छता कार्यक्रम 'एक कदम स्वच्छता की ओर' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप महापौर सुभाष भड़ाना व दक्षिणी जोन की अध्यक्षा डॉ. नंदनी शर्मा ने स्वच्छ सर्वेक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफाई सैनिक और कर्मचारियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में एक आकर्षक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया कूड़े, प्लास्टिक, व्यर्थ पड़े चीजों से बनी सुंदर आकृतियों व उपयोगी वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में यह दशार्या गया किस तरह हम पुरानी और बेकार चीजों को रिसाइकल कर उपयोग कर सकते हैं। साथ ही नुक्कड़ नाटक और कठपुतली कार्यक्रम के द्वारा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया और नुक्कड़ नाटक के कलाकारों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में नागरिकों को कूड़े और प्लास्टिक के बदले जैविक खाद का वितरित भी की। इस अवसर पर दक्षिणी जोन की उपाध्यक्षा माया बिष्ट, दक्षिणी जोन के पार्षद संजय ठाकुर, राधिका, रेखा सांखला, अतिरिक्त आयुक्त रमेश वर्मा, प्रमुख अभियंता पी.सी मीणा, उपायुक्त जी सुधाकर, निदेशक सलेक्ट सिटी मॉल योगराज अरोड़ा और निगम के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

उप महापौर सुभाष भड़ाना ने कहा कि दक्षिणी निगम स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के मद्देनजर में विशेष प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा कूड़े के सही निष्पादन के लिए गार्बेज कैफे-प्लास्टिक लाओ खाना खाओ, खिलौना बैंक, प्लास्टिक लाओ पौधा ले जाओ जैसी कई पहल शुरूआत की गई है।नागरिकों में जागरूकता लाने के लिए कई प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। सभी चारों जोन में सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, स्कूलों और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है ताकि वह निगम के साथ मिलकर स्वच्छता के लिए प्रयास कर सके। दक्षिणी जोन की अध्यक्षा डॉ नंदनी शर्मा ने कहा कि हमारे द्वारा शुरू किए गए नए कार्यों से नागरिकों की सहभागिता बढ़ेगी और वे स्वव्छ सर्वेक्षण 2021 के प्रति जागरूक होंगे व इसके महत्व को समझेंगे।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने की सीमाओं पर बंदोबस्त की समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने शनिवार को तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शनों के मद्देनजर राजधानी की विभिन्न सीमाओं पर कानून-व्यवस्था और बंदोबस्त की समीक्षा की।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस कमिश्नर ने सेंधमारी में शामिल अपराधियों, मादक पदार्थ से संबंधित एनडीपीएस कानून, आबकारी अधिनियम एवं जुए से जुड़े अन्य मामलों में शामिल अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के बाद दिल्ली पुलिस दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी पीआरओ अनिल मित्तल ने बताया कि बैठक के दौरान एस एन श्रीवास्तव ने ऐसे अपराधों को कम करने के लिए प्रभावी और टिकाऊ कदमों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने जेल में बंद या जमानत या पेरोल पर छूटे लोगों समेत अपराधियों की सूची को नियमित रूप से जांचने पर जोर दिया। आयुक्त ने झपटमार रोधी टीमों के प्रदर्शन के आकलन और अपराध टीमों के नियमित उपयोग पर जोर दिया।

अनिल मित्तल ने बताया कि बैठक के दौरानए विशेष पुलिस आयुक्त ;अभियानद्ध ने दिल्ली पुलिस कर्मियों के लिए चलाए जा रहे कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के बारे में श्रीवास्तव को जानकारी दी। श्रीवास्तव ने रियालंस जूलरी शोरूम डकैती मामले को हल करने में शामिल पुलिस टीम को पुरस्कृत भी किया। यह डकैती जनवरी में मौर्य एन्क्लेव थाना क्षेत्र में हुई थी। तकनीकी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर अपराध में शामिल आठ लोगों और लूट का माल खरीदने वाले छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से 6ण्5 किलोग्राम वजऩी गहने और दो कारें बरामद की थी।

दिल्ली पुलिस ने अपराध शाखा को सौंपी मंगोलपुरी हत्या मामले की जांच

नई दिल्ली,एजेंसी। राजधानी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक युवक की कथित तौर पर कुछ लोगों द्वारा हत्या किए जाने के मामले में पांचवें आरोपी के गिरफ्तार होने के बाद इस मामले को अपराध शाखा को सौंप दिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मारे गए युवक की पहचान रिंकू शर्मा 25 के तौर पर की गई है और वह लैब तकनीशियन के पद पर काम करता था। किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए इलाके में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी अनिल मित्तल ने बताया कि आगे की जांच के लिए मामले को अपराध शाखा को सौंपा गया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात को युवक और आरोपी जन्मदिन पार्टी पर गए थे और वहां पर उनके बीच रोहिणी में उनकी खाने पीने की दुकानों को लेकर कुछ विवाद हो गया। पुलिस ने बताया कि इस दौरान उन्होंने एक दूसरे से मारपीट भी और धमकी दी और पार्टी से चले गए। कुछ दिन पहले भी उनके बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बहस्पतिवार को कहा था कि बाद में चार लोग शर्मा के घर पर पहुंचे जहां वह अपने बड़े भाई के साथ बाहर ही खड़ा था और उनके हाथ में डंडे थे। दोनों पक्षों के बीच फिर से विवाद हुआ जिसके बाद उन्होंने शर्मा पर चाकू से वार किया और फरार हो गए। शर्मा के भाई मन्नू 19 ने हालांकि आरोप लगाया कि रिंकू शर्मा की इसलिए हत्या की गई क्योंकि वह राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा एकत्र करने के अभियान में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहा था। दिल्ली पुलिस ने हत्या के मामले में कोई सांप्रदायिक कोण होने के आरोप को खारिज किया है और कहा कि कारोबारी रंजिश के चलते जन्मदिन की पार्टी में झगड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि अब तक ताजुद्दीनए जाहिदए मेहताब और दानिश और इस्लाम को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

देश का सब से बड़ा डायलसिस सेंटर गुरू हरिकृष्ण साहिब जी के नाम पर दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने तैयार किया : ज्ञानी हरप्रीत सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा है कि देश का सब से बड़ा डायलसिस सेंटर गुरू हरिकृष्ण साहिब जी के नाम पर दिल्ली गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी ने तैयार किया है जो बाला साहिब अस्पताल में जल्दी ही शुरू होने जा रहा हैं। यहां गुरूद्वारा साहिब में नतमस्तक होने के बाद जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने तैयार किए जा रहे बाला साहिब अस्पताल व नई तैयार की गई आधुनिक रसोई का जायजा लिया। इस मौके पर दिल्ली गुरूद्वारा कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा ने जत्थेदार साहिब को दोनों स्थलों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

जायजा लेने के पश्चात बातचीत करते हुए ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने बताया कि बाला साहिब अस्पताल का नींव पत्थर 2001 में रखा गया था जिसमें 100 बिस्तरों का पहला फेज 7 से 10 दिनों के भीतर शुरू किया जा रहा है। यह देश का सबसे बड़ा डायलसिस सेंटर हैं जहां इतनी बड़ी गिनती में मरीजों का एक साथ डायलसिस हो सकेगा। उन्होंने बताया कि कमेटी द्वारा जरूरतमंद मरीजों के मुफ्त ईलाज का भी प्रबंध किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा डायगनोस्टिक सेंटर भी तैयार किया जा रहा है जिसके लिए एम.आर.आई मशीन व सी.टी.स्कैन मशीनें आ गई हैं। इसमें भी मरीजों का ना मात्र खर्चा व सी.टी.स्कैन, एम.आर.आई व अन्य टेस्ट हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि गुरूद्वारा बंगला साहिब में अतिआधुनिक ढंग से रसोई बन कर तैयार की गई है जो कि कोरोना हालातों के मद्देनजर बहुत जरूरी थी। इसमें साफ सुथरे ढंग से लंगर तैयार होगा।

ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि जहां वह इन बड़ी उपलब्धियों के लिए दिल्ली सिख गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा व समूह सदस्यों को बधाई देते हैं वहीं धन्यवाद भी करते है। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व महसूस हो रहा है कि यह बड़ी सेवा उनकी अपनी कौम की संस्था दिल्ली गुरूद्वारा कमेटी ने शुरू की है। उन्होंने कहा कि ऐसी सहुलियतें गुरूद्वारा साहिबान में होना बहुत जरूरी है जहां संगत गुरू साहिब का आशीर्वाद प्राप्त करती है व लंगर छकती है वहीं संगत के लिए ऐसी मैडिकल सहुलियतें भी होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि वह अकाल पुरख के आगे अरदास करते हैं कि स. मनजिंदर सिंह सिरसा व अन्य सदस्यों के सिर पर हमेशा आशीर्वाद बनाए रखें और इनसे कौम के लिए सेवा लेते रहें।

संपादकीय

स्थाई हो समाधान

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद समाधान की दिशा में सकारात्मक प्रगति सुखद और स्वागत के योग्य है। पिछले साल मई में शुरू हुआ तनाव 15-16 जून को गलवान में झड़प के साथ चरम पर पहुंच गया था। झड़प की कीमत न केवल भारतीय जवानों, बल्कि चीनी जवानों को भी चुकानी पड़ी थी। उसके बाद से पहली बार ऐसा लग रहा है कि चीन तनाव घटाना चाहता है। दोनों देशों के बीच अनेक दौर की औपचारिक-अनौपचारिक वार्ताओं के बाद कहीं न कहीं यह आशा थी कि समाधान निकलेगा। चीन अगर चाहता, तो न झड़प की स्थिति बनती और न ही विवाद इतना लंबा खिंचता। चीन के भाव में कोई अफसोस नहीं था, उसने तो यहां तक नहीं बताया कि उसके कितने सैनिक सीमा पर हताहत हुए। लेकिन गलवान में भारत को जो घाव मिले हैं, उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। फिर भी सबसे अच्छी बात यह रही कि गलवान की घटना के बाद दोनों देशों ने अपेक्षाकृत संयम का परिचय दिया। दो विशाल देशों को ऐसे ही संयम का परिचय देते हुए, निरंतर संवाद करते हुए अपनी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

इसमें कोई शक नहीं, चीन के व्यवहार ने मोटे तौर पर भारतीयों को निराश ही किया है और इसी निराशा की वजह से भारत सरकार को कई प्रतिकूल निर्णय लेने पड़े। कुछ आर्थिक पाबंदियों के सहारे संकेत देकर भारत सरकार की कोशिश रही कि चीन संभल जाए। कहना न होगा कि सीमा पर चीन की आक्रामकता का जवाब भारत ने कमोबेश अपनी आर्थिक आक्रामकता से दिया। भारत अगर ऐसा नहीं करता, तो चीन अपनी गलती और भारत की नाराजगी को समझ नहीं पाता। चीन को यह समझने में वक्त लगा है। हालांकि, यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि विभिन्न विश्व मंचों पर वह भारत के खिलाफ आक्रामक रहा है। चाहे पाकिस्तान की कारगुजारियों का समर्थन हो या सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता की चर्चा। चीन तो भारत विरोधी आतंकियों के समर्थन में भी खड़ा दिखता रहा है। चीन के व्यवहार की तुलना करें, तो पता चलेगा कि भारत ने कितने संयम का परिचय दिया है। यह अवसर है, जब चीन व्यापकता में भारत की उपयोगिता समझे और यह भी माने कि भारत की जमीन कुतरने के जमाने लद गए। आज विश्व में भारत की आर्थिक, कूटनीतिक और राजनीतिक स्थिति बहुत सशक्त है। चीन के लिए भारत एक विशाल और करीबी बाजार साबित हो सकता है, पर इसके लिए जरूरी है कि वह सीमा विवादों का स्थाई व व्यावहारिक समाधान करे। गौरतलब है, चीन ने अपने विशाल पड़ोसी रूस के साथ जब अपने सीमा विवादों का समाधान किया, तभी दोनों देशों के बीच संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचे, ठीक उसी तरह की ऊंचाई भारत-चीन संबंधों को भी हासिल हो सकती है। अच्छे संबंधों को संजोने और सशक्त करने की जिम्मेदारी चीन पर ज्यादा है, क्योंकि उससे भारतीयों का विश्वास हिल गया है। कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक सीमाओं पर शांति और शालीनता बहाल होनी चाहिए। तभी दोनों देश ईमानदारी से एक-दूसरे के साथ खड़े हो सकेंगे। दोनों बड़े देश अगर मिलकर चलें, तो न केवल एशिया, बल्कि दुनिया में न्याय, शांति और समृद्धि को बल मिलेगा। चीन की मंशा अगर सही है, तो यह मौका है, दोनों देश अपनी-अपनी हदों-सरहदों को ठीक से पहचान लें।

निजी पर सार्वजनिक दुविधा

हाल में अपने एक संसदीय संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निजी क्षेत्र को लेकर कुछ महझ्वपूर्ण बातें कही हैं, उन पर खुला विमर्श होना चाहिए और तमाम नेताओं के निजी क्षेत्र को लेकर दोहरे चरित्र का पर्दाफाश भी होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा उसका आशय यह है कि निजी क्षेत्र के सहयोग से अर्थव्यवस्था का विकास हुआ है और हर काम सिर्फ नौकरशाह नहीं कर सकते। प्रकारांतर से प्रधानमंत्री का आशय यह था कि उद्योगों को सरकारी हिसाब से नहीं चलाया जा सकता, उसके लिए उद्यमी चाहिए, जो धन पैदा करें, रोजगार पैदा करें। उद्यमियों के प्रति और खासकर निजी क्षेत्र के उद्यमियों के प्रति मुख्यधारा की राजनीतिक पातटयों में बड़ा दोहरा रवैया रहा है। वामपंथी विचारधारा से प्रेरित दल तो मोटे तौर पर पूंजी और पूंजीपतियों के विरोधी रहे हैं, खैर वो तो अब भारतीय राजनीति में हाशिये पर हैं, पर दूसरे दल निजी क्षेत्र को एक तरह से चोर मानते रहे हैं और कई बार तो ऐसा लगता है कि वो निजी क्षेत्र को सिर्फ लूटतंत्र का केंद्र मानते रहे हैं। यह अतिवादिता है। यह ठीक है कि निजी क्षेत्र के अस्पताल, निजी क्षेत्र के स्कूल बहुत लूट मचाते हैं, पर यह भी सच है कि जिन सेवाओं की आपूतत करने में सरकारी तंत्र विफल रहता है, वह आपूतत निजी क्षेत्र का मुनाफा केंद्रित कारोबार कर देता है। एक वक्त था, जब फोनों के कारोबार सिर्फ सरकारी संगठनों का एकाधिकार था। फोन मिलने में सालों का समय लगता था और लाइनमैन का भ्रष्टाचार बहुत आम हुआ करता था। मोबाइल सेवाओं के सस्ते और बेहतर होने में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भूमिका से कोई इनकार नहीं कर सकता। वामपंथी-साम्यवादी विचाराधारा से प्रेरित अर्थचिंतन में सार्वजनिक क्षेत्र को ही वरीयता दी जाती थी। नब्बे के दशक में सोवियत संघ के ध्वस्त होने के बाद साम्यवादी विचारधारा की व्यावहारिकता पर ही प्रश्नचिह्न लगे। निजी क्षेत्र अब अर्थव्यवस्था का महझ्वपूर्ण हिस्सा है। उस पर अविश्वास करके काम नहीं चल सकता। वक्त बदल गया है, अब साठ और सत्तर के दशकों के नारे बहुत निरर्थक लगते हैं, जब तमाम राज्यों के मुख्यमंत्री उद्योगपतियों से निवेश का निवेदन करते हैं। निवेश से रोजगार आते हैं, संपन्नता आती है। निजी क्षेत्र के प्रति अविश्वास खत्म होना चाहिए, इसका मतलब यह नहीं है कि निजी क्षेत्र की लूट की अनदेखी होनी चाहिए। नियामक सस्थाएं अपना काम करें और निजी क्षेत्र को अपना काम करने दें।

प्रवीण कुमार सिंह

दायरे में हो चहचहाहट

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, इसकी परिभाषा और इसकी लक्ष्मण रेखा को लेकर दुनियाभर में बहस जारी है। तमाम तर्क भी इसे लेकर गढ़े और रचे जा रहे हैं। दुर्भाग्य से अमूमन सभी के तर्क अपनी सहूलियत के हिसाब से होते हैं। इसलिए यह बहस आज भी जारी है।

ताजा विवाद भारत सरकार और वैश्विक सोशल मीड़िया मंच ट्विटर के बीच सामने आया है। दरअसल, भारत सरकार ने ट्विटर से कुछ विवादित अकाउंट और हैशटैग को हटाने के लिए कहा था। सरकार ने ट्विटर को अमेरिका के कैपिटल हिल में हुई हिंसा की याद दिलाई और कहा कि जब उसने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई लोगों का अकाउंट बंद कियो अब उसे क्या परेशानी है? सरकार ने कैपिटल हिल हिंसा और 26 जनवरी को भारत के लाल किले पर हुए घटनाक्रम की तुलना करते हुए दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप भी ट्विटर पर लगाया। खैर, आधे-अधूरे मन से ट्विटर ने कुछ अकाउंट पर कार्रवाई तो की, लेकिन कुछ समय बाद ट्विटर ने अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा मानते हुए हटाए गए कुछ अकाउंट्स को बहाल भी कर दिया। इसके लिए बकायदा संस्था ने एक ब्लॉग भी लिख दिया। ट्विटर की इस प्रतिक्रिया को सरकार ने असमान्य माना। असमान्य इसलिए क्योंकि उसकी प्रतिक्रिया खुद को देश के कानून से ऊपर मानने का भाव दर्शाता है। बता दें कि ट्विटर एक विदेशी कंपनी हैग और देश के कानून के प्रति इसकी जवाबदेही नहीं। क्या ऐसा संभव है कि कोई विदेशी कंपनी अपने हिसाब से काम करे? यह तो सरकार के इकबाल को चुनौती है। इस घटनाक्रम के बाद ट्विटर के खिलाफ भारतीय कानूनों के तहत कार्रवाई की संभावना व्यक्त की जा रही है। संभावना इसलिए प्रबल है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने श्रेया सिंघल बनाम भारत सरकार के मामले में स्पष्ट रूप से ऑनलाइन माध्यम में सरकार के निर्देश को माना है। बेहतर होगा कि तमाम विदेशी सोशल मीड़िया मंचों को देशी कानूनों के तहत लाया जाए। कोई निजी कंपनी किसी लोकतांत्रिक देश के कानून और उसकी व्यवस्था से बाहर नहीं हो सकती। हरगिज नहीं।

उपेक्षित रह गई हिस्सेदारी

> "यह तो साफ है कि भारत के बहुसंख्यकों-जिनमें बड़ी हिस्सेदारी पिछड़ा वर्ग और विमुक्त व घुमंतू जातियों की है-को उनकी हिस्सेदारी के हिसाब से बजट में भागीदारी नहीं दी गई है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी संभव है कि देश में उनके संबंध में सरकार के पास कोई निश्चित आंकड़ा ही उपलब्ध नहीं है। यह तभी संभव है जब सरकार जातिगत जनगणना कराए। यदि ऐसा होता है तभी इस वर्ग की वास्तविक स्थिति के बारे में सरकार को जानकारी मिलेगी और तब उनके लिए बजट और नीतियां दोनों बनाने में उसे सहायता मिलेगी"

भारत विश्व का इकलौता देश है, जहां सामाजिक व्यवस्था का आधार जाति है। लोग जातियों में बांटे गए हैं। इसी वर्गीकरण के आधार पर ही संसाधनों का बंटवारा है।

फिर चाहे वह अनुसूचित जनजाति के लोग हों, या अनुसूचित जाति के हों, या विमुक्त व घुमंतू जनजातियां (डीएनटी) या फिर पिछड़ा वर्ग के लोग। इनमें धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी शामिल किया जाना चाहिए। ये सभी मिलकर समाज के बड़े हिस्सेदार बन जाते हैं और इनकी हिस्सेदारी को लेकर राजनीति भी की जाती है। इसके बावजूद सरकारी योजनाओं और नीतियों में इनकी चिंता बहुत कम ही की जाती है।

यह कोई एक सरकार की बात नहीं है। आजादी के बाद का इतिहास देखें तो यह शीशे की तरह पारदर्शी है। यहां तक कि वर्तमान सरकार के एजेंडे में भी उपरोक्त वर्ग के लोग हाशिए पर हैं। यह इसके बावजूद कि सरकार ने कई अवसरों पर कबूला है कि ये वर्ग अपेक्षित रूप से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। इसकी पुष्टि हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजटीय संबोधन में भी की जब वे इन वगरे के लिए कुछ खास आंकड़ों और सरकार की कुछ योजनाओं की चर्चा कर रही थीं, जबकि मंत्रालयवार बजटीय आवंटनों को देखें तो बात एकदम विपरीत है।

सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य यह कि पूर्व में पंचवर्षीय व वार्षिक योजनाओं में एससी व एसटी के लिए उपयोजनाएं हुआ करती थी, जिसे अब समाप्त कर दिया गया है। अब केंद्रीय बजट में एससी व एसटी के कल्याण से संबंधित योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए विभिन्न मंत्रालयों को आवंटित धनराशि का विवरण (विवरण 10अ व 10ब) अलग से दिया जाता है।

वहीं विमुक्त समुदायों को संविधान में एक अलग समूह के रूप में चिह्नित नहीं किया गया है। यद्यपि सरकार ने हाल में उनके विकास के लिए डीएनटी बोर्ड का गठन किया है। केंद्रीय बजट में वंचित वगरे की उपेक्षा किस तरीके से की गई है। मसलन सामाजिक न्याय व अधिकारिता को वित्तीय वर्ष 2020-21 में 10103.57 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। इस बार इस मंत्रालय के लिए अनुमानित आवंटन 10517.62 रुपये है। यही हाल आदिवासी मामलों के मंत्रालय का है। पिछली इसके लिए 7411 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। इसबार इसमें अत्यंत ही मामूली वृद्धि कर 7524.87 करोड़ रु पये किया गया है। स्पष्ट है कि वंचितों से संबद्ध मंत्रालयों के बजटीय आवंटन में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभागों (जो कि सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय का भाग हैं) के बजट में नाममात्र की वृद्धि की गई है। आदिवासी मामलों के मंत्रालय के बजट में भी मामूली बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं एससी और एसटी के लिए तो नये शब्दजाल बुने गए हैं। विकास पर विमर्श में पहले 'कल्याण' शब्द का प्रयोग किया जाता था।

इसके बाद 'विकास' और तत्पश्चात 'सशक्तिकरण' की परिकल्पना आई। परन्तु योजना और उपयोजना की व्यवस्था समाप्त होने के बाद, भारत सरकार ने एससी व एसटी के वास्ते अपने कार्यक्रमों और योजनाओं के विवरण को 'एससी कल्याण के लिए आवंटन' और 'एसटी कल्याण के लिए आवंटन' शीषर्क देने का निर्णय लिया है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो सालों में दोनों समुदायों के लिए आवंटित बजट में मामूली वृद्धि हुई है (बजट अनुमान 2019-20 और 2020-21)। वित्तीय वर्ष 2019-20 में हुआ वास्तविक व्यय आवंटन से कम था। आवंटित और वास्तविक व्यय में अंतर एससी के मामले में करीब 20 प्रतिशत और एसटी के मामले में लगभग 11 प्रतिशत था। इस साल दोनों श्रेणियों के लिए आवंटन में वृद्धि हुई है। एससी से संबंधित योजनाओं के लिए आवंटन 83.24 हजार करोड़ रु पये से बढ़कर 1.26 लाख करोड़ रु पये हो गया है जब कि एसटी में मामले में यह 53.65 हजार करोड़ रुपये से बढ़ कर 79.94 हज़ार करोड़ रु पये हो गया है।

यह वृद्धि इसलिए नहीं हुई है क्योंकि किसी या किन्हीं मंत्रालयों ने एससी अथवा एसटी कल्याण योजनाओं के लिए आवंटन में इजाफा किया है बल्कि यह इसलिए नजर आ रही है क्योंकि इस साल से कुछ नये मंत्रालयों ने एससी अथवा एसटी के लिए अपने आवंटनों का अलग से विवरण देना प्रारंभ कर दिया है। वहीं सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू समुदायों के लिए विकास एवं कल्याण बोर्ड है। इस बोर्ड का स्थापना बजट, 2020-21 में 1.24 करोड़ रु पये था, जिसे नये वित्त वर्ष में बढ़ा कर पांच करोड़ रु पये कर दिया गया है। इसी तरह, विमुक्त घुमंतू जनजातियों के विकास के लिए योजना के लिए इस वर्ष 10 करोड़ रु पये का आवंटन किया गया था, परन्तु 2021-22 के लिए मंत्रालय के विस्तृत बजट में इस योजना के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। पिछड़े वगरे की बात करें तो केवल प्री और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप की योजनाओं को लेकर बजट में चर्चा है, जबकि करीब 54 फीसद आबादी वाले इस वर्ग के हालात अत्यंत ही विषम हैं।

बहरहाल, यह तो साफ है कि भारत के बहुसंख्यकों-जिनमें बड़ी हिस्सेदारी पिछड़ा वर्ग और विमुक्त व घुमंतू जातियों की है-को उनकी हिस्सेदारी के हिसाब से बजट में भागीदारी नहीं दी गई है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी संभव है कि देश में उनके संबंध में सरकार के पास कोई निश्चित आंकड़ा ही उपलब्ध नहीं है। यह तभी संभव है जब सरकार जातिगत जनगणना कराए। यदि ऐसा होता है तभी इस वर्ग की वास्तविक स्थिति के बारे में सरकार को जानकारी मिलेगी और तब उनके लिए बजट और नीतियां दोनों बनाने में उसे सहायता मिलेगी।

भव्या लाल : भारतीय मेधा की भव्यता

जब से अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हुआ है, अमेरिका से भारतीय प्रतिभाओं की महक पूरी दुनिया में फैल रही है। यह ठीक है कि वे अमेरिकी नागरिक हैं और उनकी निष्ठाएं उस देश लिये पहले हैं। इसके बावजूद अपना कोई फूल परायी जमीन पर महकता है तो खुशी तो होती ही है। बहरहाल, भले ही हम डोनाल्ड ट्रंप के स्वागत में पलक-पावड़े बिछाते रहे हों, उनके सम्मान में भीड़ जुटाते रहे हों, लेकिन डेमोक्रेट सरकार में सही मायनो में भारतीय प्रतिभाओं की कद्र हुई है। पहले भारतीय वशंज कमला देवी हैरिस अमेरिकी इतिहास में पहली उपराष्ट्रपति चुनी गई। उनके बाद जो बाइडेन मंत्रिमंडल में बीस भारतवंशियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली। भारतीयों के लिये यह बड़े गर्व की बात है कि जमीन से उखड़े लोगों ने परायी जमीं पर न केवल अपनी जड़ें जमायीं, बल्कि अपनी प्रतिभा और मेधा से उस समाज का विश्वास भी हासिल किया और अब उनका नेतृत्व कर रहे हैं।

हाल में एक आश्चर्यजनक खुशी इस खबर से मिली कि भारतीय मूल की भव्या लाल को विश्व की चोटी की अंतरिक्ष एजेंसी नासा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। किसी भी देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम बेहद संवेदनशील व गोपनीय होता है। ऐसे में एक विदेशी मूल के व्यक्ति को उसका अध्यक्ष बनाना जहां ?अमेरिकी समाज की उदारता को दर्शाता है, वहीं यह सोचने को भी मजबूर करता है कि भव्या लाल कितनी प्रतिभावान है कि उसने करोड़ों अमेरिकियों को पछाड़कर यह पद हासिल किया है। यह?भी कि उसने कितनी मेहनत के बाद ये मुकाम हासिल किया, जिसने हर भारतीय को खुश होने का मौका दिया।

निस्संदेह, दुनिया के तमाम देशों में भारतीय प्रतिभाएं अपनी योग्यता का परचम बुलंद करके सफलता के नये आयाम हासिल कर रही हैं।?भले ही वे अब भारतीय नागरिक नहीं हैं लेकिन भारतीय होना हमें गर्व का मौका जरूर देता है।

गजब की प्रतिभा है भव्या लाल में। वह अंतरिक्ष विज्ञान, सैटेलाइट्स, स्पेस न्यूक्लियर एनर्जी और अंतरिक्ष अन्वेषण में विशेषज्ञता रखती है। वह नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन की विश्वासपात्र टीम में है और पहले भी उनके साथ काम कर चुकी है। वह बाइडेन की नासा में बदलाव संबंधी समीक्षा दल की सदस्या भी हैं और एजेंसी में परिवर्तन संबंधी काम देख रही हैं। उनके पास अभियांत्रिकी और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का व्यापक अनुभव है। उन्होंने वर्ष 2005 से 2020 तक इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस एनालिसिस साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी इंस्टीट्यूट में अनुसंधान स्टाफ सदस्य के रूप में कार्य किया। महत्वपूर्ण यह भी है कि उन्होंने व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी और नेशनल स्पेस काउंसिल के लिये अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रणनीति और नीति विश्लेषण का बखूबी नेतृत्व किया है। इतना ही नहीं, रक्षा अनुभाग, खुफिया विभाग, नासा तथा केंद्रीय अंतरिक्ष से जुड़े संगठनों के साथ भी काम किया। इसी अनुभव के मद्देनजर बाइडेन ने नासा में अपने बदलाव के एजेंडे को पूरा करने का दायित्व भव्या को सौंपा है। दरअसल, भव्या मूल रूप से अंतरिक्ष विज्ञानी हैं तथा ओबामा कार्यकाल के दौरान बाइडन की ट्रांजिशन टीम की सदस्या रह चुकी हैं। यही वजह है कि नासा द्वारा जारी विज्ञप्ति में बल दिया गया कि भव्या हर लिहाज से इस दायित्व को निभाने में सक्षम हैं। साथ?ही उन्हें स्पेस टेक्नोलॉजी व स्पेस स्ट्रैटेजी एंड पॉलिसी का व्यापक अनुभव है।

दरअसल, भव्या लाल ने परमाणु इंजीनियरिंग में बीएससी तथा एमएससी की डिग्री हासिल की है। इसके उपरांत मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से प्रौद्यिगिकी एवं नीति में मास्टर की डिग्री हासिल की है। कालांतर अपनी उच्च शिक्षा को जारी रखते हुए भव्या ने जॉर्ज वॉशिंगटन विश्वविद्यालय से सार्वजनिक नीति और सार्वजनिक प्रशासन में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की है। व्यापक अध्ययन व उच्च शिक्षा के चलते उन्हें परमाणु इंजीनियरिंग और सार्वजनिक नीति सम्मान सोसाइटी का सदस्य भी बनाया गया है। भव्या ने कमर्शियल रिमोट सेंसिंग पर नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन फेडरल एडवाइजरी कमेटी में लगातार दो बार अपना योगदान दिया।?वह सेंटर फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी स्टडीज की डायरेक्टर भी रही हैं। यही नहीं, वह पहले नासा में बजट-वित्त के लिये वरिष्ठ सलाहकार भी रह चुकी हैं।

यही वजह है कि अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये उन्हें इंटरनेशलन एकेडमी ऑफ एस्ट्रोनॉटिक्स के एक सदस्य के रूप में नामित किया गया। उन्हें अभियांत्रिकी एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का व्यापक अनुभव है। निस्संदेह, अंतरिक्ष तकनीक व पॉलिसी कम्युनिटी में भव्या दुनिया की जानी-मानी हस्ती हैं। नेशनल जियोग्राफिक, दि इकोनॉमिस्ट, स्पेस न्यूज जैसे चर्चित जर्नल्स में उनके पचास से अधिक मौलिक लेख प्रकाशित हुए हैं। बहरहाल, इस अद्भुत प्रतिभा के बावजूद एक मौलिक सवाल भी है कि हम अपनी प्रतिभाओं क्यों नहीं सहेज पाते।

दोहरी नीति भारत के लिए खतरनाक

जब से फेसबुक ने व्हाट्सएप को खरीद लिया और उसकी पॉलिसी में बदलाव करना शुरू किया, तब से दुनिया भर के यूजर्स को ऐसा लगा कि कुछ नया होने वाला है।

मगर तब उन्हें निराशा हाथ लगी, जब यह पता चला कि व्हाट्सएप की नई पॉलिसी से उपभोक्ताओं की निजता खत्म हो जाएगी। हालांकि व्हाट्सएप ने कई अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर उपभोक्ताओं को विश्वास दिलाया कि यूजर्स की प्राइवेसी का सम्मान उसके डीएनए में है। इसलिए ऐसा सोचना बेबुनियाद है।

व्हाट्सएप की नई नीतियों में बदलाव की खबर से उपभोक्ता सकते में है। उन्हें डर है कि उनका पर्सनल डाटा असुरक्षित हो जाएगा। वहीं व्हाट्सएप ने एक नोटिफिकेशन अभियान चलाकर यह संदेश दिया है कि अगर आप नये अपडेट्स को 8 फरवरी 2021 तक स्वीकार नहीं करते तो आपका अकांउट डिलीट कर दिया जाएगा। आगे व्हाट्सएप क्या कदम उठाएगा, यह देखने वाला होगा। मगर भारतीय उपभोक्ताओं के अंदर निजता को लेकर खतरा बढ़ गया है। व्हाट्सएप की नीति को लेकर केंद्र सरकार ने उसके खिलाफ एक याचिका दायर की है, जिसमें यूरोपीय उपभोक्ताओं के लिए अलग और भारत के लिए अलग नियम और शत्रे बनाई गई हैं। असल में भारत में निजता को लेकर लचीले कानूनों के सहारे फेसबुक जैसी कंपनियां इस तरह के दोहरे मापदंड अपनाकर फायदा उठाती हैं। तभी यूरोपीय देशों और भारत के उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग नियम बना दिए जाते हैं।

ज्ञात हो कि यूरोप में जनरल डेटा प्रोटक्शन रेगुलेशन यानी 'जीडीपीआर' लोगों की गोपनीयता और डेटा की सुरक्षा प्रदान करने वाला एक बड़ा कानून है, जबकि भारत में पर्सनल डेटा प्रोटक्शन कानून अभी तक नहीं बना। भारत में भी डाटा संरक्षण बिल को जल्द-से-जल्द कानून में बदलाव लाने की आवश्यकता है ताकि उसमें निजता के उल्लंघन पर जुर्माना और उपभोक्ताओं को उचित मुआवजा देने का प्रावधान सुनिश्चित हो सके। अब व्हाट्सएप का इस्तेमाल आप सहजता से कर सकते हैं या नहीं? यह एक बड़ा सवाल है। कहीं आप अप्रत्यक्ष तौर पर इसके लिए जबरन सहमति तो नहीं दे रहे हैं। व्हाट्सएप की दलील है कि प्राइवेसी पॉलिसी से उसे अपने डेटा प्रैक्टिस को समझने में मदद मिलती है। इसके तहत वह बताता है कि कौन सी जानकारियां आप इकट्ठा करते हैं और इससे आप पर क्या असर पड़ता है? साइबर टेक्नोलॉजी के जानकारों की मानें तो व्हाट्सएप जो कर रहा है, वह कुछ नया नहीं है। व्हाट्सएप की पॉलिसी अपडेट की सहमति पर हमारी नजर इसलिए जा रही है क्योंकि ये किसी-न-किसी रूप में हमें अपनी नीतियों की जानकारी दे रहा है। हमसे सहमति मांग रहा है, जबकि दूसरे ऐप तो बिना हमारी मंजूरी के ही हमारा निजी डेटा निकाल लेते हैं।

चर्चा है कि व्हाट्सएप अपने यूजर्स का इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस यानी 'आईपीएड्रेस' फेसबुक, इंस्टाग्राम या किसी अन्य थर्ड पार्टी को दे सकता है। व्हाट्सएप अब आपकी डिवाइस से बैटरी लेवल, सिग्नल स्ट्रेंथ, ऐप वर्जन, ब्राउजर से जुड़ी जानकारियां, भाषा, टाइम जोन, फोन नंबर, मोबाइल और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर कंपनी जैसी जानकारियां भी इकट्ठा करेगा। जबकि पुरानी प्राइवेसी पॉलिसी में इनका जिक्र नहीं था। अगर आप अपने मोबाइल से सिर्फ व्हाट्सएप डिलीट करते हैं और माई अकाउंट सेक्शन में जाकर इन ऐप डिलीट का विकल्प नहीं चुनते हैं तो आपका पूरा डेटा व्हाट्सएप के पास ही रह जाएगा।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि भारत में साइबर सुरक्षा के मजबूत कानून नहीं हैं और न ही पर्सनल डेटा, प्रोटेक्शन और प्राइवेसी की मुकम्मल व्यवस्था है। भारत में एकमात्र कानून है जो पर्सनल डेटा प्रोडक्शन और साइबर सुरक्षा पर कुछ हद तक नजर रखता है। दुर्भाग्य से भारत का यह आईटी एक्ट सेक्शन-79 भी व्हाट्सऐप जैसे सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों के लिए काफी लचीला है। भारतीय आईटी एक्ट की धारा-1 और धारा-75 के अनुसार अगर कोई सर्विस प्रोवाइडर भारत के बाहर स्थित है, मगर उनकी सेवाएं भारत में कंप्यूटर या मोबाइल पर उपलब्ध है तो भी वह भारतीय कानूनों के अधीन हो जाएगा। मगर व्हाट्सऐप भारतीय कानूनों को धता बताकर अपनी नई प्राइवेसी पॉलिसी और शतरे को भारतीय ग्राहकों पर थोपना चाहती है। वॉट्सएप की दोहरी नीति से भारतीय उपभोक्ता चिंतित व परेशान हैं। इसी के मद्देनजर व्हाट्सएप के खिलाफ केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसमें यूरोपीय लोगों के लिए अलग और भारतीय लोगों के लिए अलग नियमों का विरोध जताया गया है। सरकार को इसे लेकर जल्द अपनी सख्त और कारगर नीति बनानी चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

एफआईआर दर्ज होने के बाद माने परिजन, अमेठी में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हुआ शुभम प्रजापति का अंतिम संस्कार

अमेठी । पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति के भतीजे शुभम प्रजापति का अंतिम संस्कार भारी पुलिस बल की मौजूदगी में किया गया। अंतिम संस्कार शनिवार को पैतृक गांव परसांवा में किया गया। पिता जगदीश प्रसाद ने अंतिम संस्कार किया। वहीं इससे पहले परिजनों ने काफी हंगामा किया जिसके बाद जाकर एफआइआर दर्ज की गई। सुबह तीन बजे करीब जीआरपी ने एफआइआर की कॉपी दी।

शुक्रवार देर शाम शुभम प्रजापति का शव प्रतापगढ़ से गांव पहुंचा तो शोक संवेदना व्यक्त करने वालो का तांता लग गया। कोई बड़ा हंगामा न हो इसे देखते हुए गांव में पुलिस बल लगाया गया। सीओ अर्पित कपूर ,प्रभारी निरीक्षक पीपरपुर रतन सिंह, श्यामसुंदर, थानाध्यक्ष जायस भरत उपाध्याय पीएसी और पुलिस लाइन का फोर्स मौजूद रहा। वहीं शुक्रवार शाम को मृतक के भाई अरुण प्रजापति, सहयोगियों के साथ स्टेशन पहुंचे स्टेशन। वहां परिजनों ने जमकर हंगामा किया। करीब बारह बजे तक स्टेशन पर एफआईआर के लिए गहमागहमी चलती रही। सीओ अर्पित कपूर ने परिजनों को समझाया रात में जीआरपी प्रतापगढ़ थानाध्यक्ष फूल सिंह उपनिरीक्षक राधेश्याम सिंह स्टेशन पर पहुंचे जीआरपी की ओर से एफआईआर दर्ज करने के आश्वासन के बाद परिजन प्रतापगढ़ गये। सुबह तीन बजे परिजनों को एफआईआर की प्रति दी गई, थानाध्यक्ष फूल सिंह ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पिता जगदीश प्रजापति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूर्व मंत्री के भतीजे अरुण प्रजापति ने आरोप लगाया कि एफआईआर दर्ज करने में बहुत आनाकानी की गई। हम लोग रात में स्टेशन पर गये थे फिर अधिकारियों से बात हुई जिसके बाद सुबह तीन बजे हम लोगों को प्रतापगढ़ जीआरपी थाने से एफआईआर की कॉपी मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि हमारे राजनैतिक विरोधियों की साजिश इस घटना में है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गायत्री प्रजापति को राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया है उन्हीं लोगों ने शुभम को मारा है। मेरे भाई को न्याय मिले घटना की उच्चस्तरीय जांच हो तभी न्याय मिलने की उम्मीद है। बता दें कि पूरे मामले में अज्ञात लोगों पर एफआइआर दर्ज की गई।

बिहार कैबिनेट विस्तार के बाद एमएलसी की मनोनयन वाली 12 सीटों पर सियासत तेज, इनका चुना जाना तय

पटना । कैबिनेट विस्तार के बाद अब विधान परिषद की रिक्त 12 सीटों के लिए लॉबिंग तेज हो गई है। राज्यपाल कोटे की ये सीटें पिछले साल मई से ही खाली हैं। भाजपा और जदयू नेताओं ने अपनी-अपनी दावेदारी के लिए ताकत झोंक दी है। सरकार में शामिल दो मंत्रियों जदयू के अशोक चौधरी और भाजपा के जनक राम का उच्च सदन के लिए मनोनयन पहले से ही तय है। शेष दस सीटों को लेकर दावेदारी का दौर चरम पर है। हम प्रमुख जीतनराम मांझी और वीआइपी सुप्रीमो मुकेश सहनी भी अपने चहेतों के लिए दबाव बनाए हुए हैं। हालांकि गुंजाइश नहीं दिख रही है।

75 सदस्यीय विधान परिषद में पांच श्रेणी के पद हैं। पहला 27 एमएलसी विधानसभा कोटे से चुने जाते हैं। दूसरा 24 एमएलसी स्थानीय प्राधिकार कोटे से चुन कर आते हैं। छह-छह सीटें शिक्षक और स्नातक कोटे की हैं। वहीं, 12 सीटें राज्यपाल मनोनयन कोटे की है। वर्तमान में 16 सीटें रिक्त है। इसमें 12 सीटें राज्यपाल मनोनयन कोटे की है, जबकि चार सीटें स्थानीय प्राधिकार कोटे की है। सुशील मोदी के राज्यसभा जाने और विनोद नारायण झा के विधायक बनने के बाद विधानसभा कोटे की खाली दोनों सीटें भाजपा के खाते में गई। इसके चलते राज्यपाल कोटे की 12 सीटों का बंटवारा बराबरी के आधार पर होना है। मंत्री शाहनवाज हुसैन और पशुपालन मंत्री मुकेश सहनी भाजपा कोटे से एमएलसी मनोनीत हो चुके हैं। ऐसे में राज्यपाल कोटे की सीटों पर भाजपा और जदयू से छह-छह एमएलसी का मनोनयन तय माना जा रहा है।

राज्य सरकार के मंत्री जनक राम, सुशील चौधरी, देवेश कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, राधा मोहन शर्मा, प्रमोद चंद्रवंशी, बेबी कुमारी, मुख्यालय प्रभारी सुरेश रूंगटा, मधुबनी के पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम ठाकुर और प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी मृत्युंजय झा, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल शर्मा के अलावा पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा और पूर्व मंत्री निखिल चौधरी का नाम पार्टी रणनीतिकारों की सुझाव सूची में शीर्ष पर है। जेपी नड्डा के करीबी राजेंद्र गुप्ता की भी चर्चा है। भाजपा अतिपिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष जयनाथ चौहान भी प्रमुख दावेदारों में हैं। भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के अलावा जदयू की ओर से पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ, पूर्व एमएलसी संजय गांधी के नाम की चर्चा है। जदयू की ओर से शेष तीन सीटों पर चौकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं।

पंजाब में वाहन खरीदना हुआ महंगा, स्थानीय निकाय चुनाव से ठीक एक दिन पहले बढ़ा मोटर व्हीकल टैक्स

चंडीगढ़ । पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव के मतदान से ठीक एक दिन पहले राज्य सरकार ने मोटर व्हीकल टैक्स में वृद्धि कर दी है। पंजाब में अब वाहन खरीदना और महंगा हो गया है। राज्य के परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव के शिवा प्रसाद की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि सभी तरह के वाहनों के टैक्स में एक फीसद की वृद्धि की जा रही है।

पंजाब में पहले एक लाख रुपये से नीचे तक वाली मोटरसाइकिलों पर छह फीसद मोटर व्हीकल टैक्स लगता था जिसे बढ़ाकर अब 7 फीसद कर दिया है। इसी तरह एक लाख से ज्यादा वाले मोटर साइकिलों पर अब मोटर व्हीकल टैक्स अब नौ फीसद लगेगा जो पहले आठ फीसद था। इसी तरह कारों सहित सभी चौपहिया वाहन जो 15 लाख रुपये से कम वाले हैं उन पर आठ फीसद से टैक्स बढ़ाकर नौ फीसद कर दिया गया है। 15 लाख से ऊपर के वाहनों पर यह दर अब 11 फीसद होगी जो पहले दस फीसद थी। बता दें, पंजाब में हर साल पचास हजार के लगभग नए वाहनों की खरीद होती है। राज्य सरकार पहले भी दो बार इन टैक्सों में वृद्धि कर चुकी है, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि चुनाव से ठीक पहले इस तरह टैक्स बढ़ाया गया हो। परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव ने बताया कि टैक्सों को बढ़ाने संबंधी पिछली कैबिनेट की बैठक में ही मंजूरी दे दी गई थी।

डीसी व सीपी ने निकाय चुनाव की तैयारियों का लिया जायजा, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

लुधियाना । डीसी वरिंदर शर्मा व पुलिस कमिश्नर राकेश अग्रवाल ने शनिवार को निकाय चुनाव की तैयारियों का साहनेवाल व दोराहा में जायजा लिया। रविवार को होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव से पहले डीसी को अहम माना जा रहा है। डीसी ने कहा कि टीमों को पोलिंग बूथ के लिए रवाना कर दिया गया है। शाम तक सभी टीमें पोलिंग स्टेशन पर पहुंच जाएगी।

डीसी ने सभी को सख्त हिदायतें जारी की गई हैं कि चुनाव के दौरान किसी तरह की खामियां न रहें और निष्पक्ष चुनाव हों। सीपी राकेश अग्रवाल ने कहा कि लुधियाना पुलिस कमिश्नरेट के क्षेत्रों में हो रहे चुनाव के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

कोरोना के मद्देनजर भीड़ कम करने के लिए स्टाफ की हाजिरी लगाने के लिए मल्टीपल अटेंडेंस सेंटर बनाए जाएंगे। अटेंडेंस सेंटर के बाहर सभी पोलिंग स्टेशनों के रूट मैप लगाना जरूरी है। वहीं हाजिरी लगाने के दिन सभी का मास्क पहना होना जरूरी है। इसके बाद अटेंडेंस सेंटर में पोलिंग स्टाफ की थर्मल स्क्रीनिंग होगी। जब यह तसल्ली हो जाएगी कि ड्यूटी करने वाले स्टाफ में कोरोना का कोई लक्षण नहीं है तो उसको अंदर जाने की इजाजत दी जाएगी। इसके बाद पोलिंग पर्सोनल को चार फेस मास्क, फेस शील्ड व ग्लब्स के जोड़े की किट दी जाएगी। पोलिंग पार्टियां अलाट किए गए वाहनों में शारीरिक दूरी बनाकर पोलिंग स्टेशन के लिए रवाना होंगे।

डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा का संकेत, प्रदेश में बोर्ड परीक्षा के पहले होंगे पंचायत चुनाव

रायबरेली । उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर आरक्षण की अधिसूचना जारी होते ही अब मतदान की तारीख का इंतजार है। इसी बीच में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बड़ा संकेत दिया है। रायबरेली में उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि पंचायत चुनाव बोर्ड परीक्षा से पहले होंगे। इससे तो यह तय हो गया है कि सरकार के साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग 20 अप्रैल से पहले ही उत्तर प्रदेश में पंचायत के चुनाव कराने की तैयारी में है। इसमें ग्राम पंचायत के साथ ही ब्लाक प्रमुख तथा जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव होंगे। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शांतिपूर्ण व निष्पक्ष पंचायत चुनाव कराने की तैयारियां की जा रही हैं। डॉ. दिनेश शर्मा शनिवार को रायबरेली में बुद्धजीवी सम्मेलन में शामिल होने आए थे। इस सम्मेलन से पहले पत्रकारवार्ता में डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि भाजपा पंचायत चुनाव के लिए बूथ स्तर तक अपनी तैयारी में जुटी है।

केंद्र सरकार के बजट पर डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि यह बजट किसानों, महिलाओं, मजदूरों, उद्यमियों और नवजवानों के लिए बेहद हितकारी है। जिले के प्रभारी मंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रूप में देश को दो कुशल प्रशासक मिले हैं। प्रधानमंत्री की सदइच्छा है कि देश का सर्वांगीण विकास हो। इसी को ध्यान में रखकर बजट पेश किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक लाभ मिलेगा। किसानों की आमदनी को 2022 तक दो गुना तक करने की योजना का भी इस बजट में ख्याल रखा गया है। सड़क, बिजली, पानी, स्वस्थ और शिक्षा पर ज्यादा जोर है।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश को छह नए एकलव्य विद्यालय मिले हैं। शहरी क्षेत्र में इसकी स्थापना पर 38 और पहाड़ी क्षेत्र में 48 करोड़ रुपये खर्च आएगा। प्रत्येक जिले में एक इंट्रीग्रेटेड लैब की स्थापना होगी। कर के अंशदान में 63 हजार करोड़ की कमी की गई है। रेलवे का बेहतर लाभ। 40 फीसद वृद्धि का सबसे बड़ा अंश यूपी को मिला।

प्रयागराज में समाजवादी पार्टी की महिला कार्यकर्ता कृषि कानूनों के विरोध में नारेबाजी करती हुई।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित बच्चों से मिले मुख्यमंत्री, बोले- टर्निंग प्वाइंट पर लें सकारात्मक निर्णय

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित प्रदेश के पांच बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने इस अवसर पर इनको सम्मानित करने के साथ ही सफलता का मंत्र भी दिया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2021 में उत्तर प्रदेश के जिन पांच बच्चों का चयन हुआ है उनमें लखनऊ के व्योम आहूजा, बाराबंकी के कुंवर दिव्यांश सिंह, गौतमबुद्धनगर के चिराग भंसाली, अलीगढ़ के मोहम्मद शादाब और प्रयागराज के मोहम्मद शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन बाल पुरस्कार विजेताओं से 25 जनवरी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बात की थी।

उत्तर प्रदेश के पांच बच्चों को पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया था। इन बच्चों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर भेंट की। इसके साथ उन्होंने पांचों बच्चों से काफी देर तक वार्ता करने के बाद उनको सफलता का मंत्र भी दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी को भी सफलता-असफलता की चिंता करे बिना ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए और यह बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति इस दिशा में प्रयास करता है, उसे सफलता प्राप्त होती है और वह समाज के लिए अनुकरणीय भी बन पाता है। हर व्यक्ति को जीवन में एक अवसर मिलता है, जो उसके जीवन का टर्निंग प्वाइंट होता है। अगर इस क्षण सकारात्मक निर्णय लिया जाए तो महानता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति एक बात कहती है कि अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकः तत्र दुर्लभः। अर्थात कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं है, अगर अच्छा योजक मिल जाए तो हर व्यक्ति अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकता है। हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व केंद्र सरकार के आभारी हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित पुरस्कारों में पारदर्शी तरीके से चयन की प्रक्रिया को अपनाया है। इसके परिणामस्वरूप भारत सरकार के पुरस्कार समाज में विशेष योगदान देने वालों को मिल रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय बाल पुरस्कारों को प्राप्त करने वाले प्रदेश के प्रतिभाशाली युवा आज हमारे सामने हैं। आप सबको सम्मानित करने में मुझे अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। आप ने अपनी फील्ड में विशिष्ट करके दिखाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित उत्तर प्रदेश के पांच होनहार बच्चों को प्रदेश की इंद्रधनुषी प्रतिभा, क्षमता और विशिष्टता की पहचान कहा । वीरता, विद्वता, इनोवेशन, खेल, कला और संगीत के विलक्षण

प्रतिभासंपन्न इन बच्चों ने स्वयं को पहचाना और फिर अपनी विशिष्टता को उत्कृष्ट बनाने के लिए भरपूर प्रयास किया। नतीजा, आज राष्ट्र इन पर गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बच्चों को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश के अन्य बच्चों के लिए प्रेरणादायी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सभी प्रकार के राष्ट्रीय पुरस्कारों के चयन में पारदर्शिता आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पद्म सम्मान हों या बाल पुरस्कार, योग्यता के अनुरूप ही चयन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को 51,000 की प्रोत्साहन राशि, टैबलेट और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। पुरस्कार लेते हुए बच्चों का उत्साह और अभिभावकों के चेहरे पर गौरव के भाव साफ पढ़े जा सकते थे।

सबको मिलता है अवसर, बस टर्निंग पॉइंट पहचानेंः कार्यक्रम में मौजूद बच्चों के अभिभावकों को विशेष रूप से बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी में कुछ न कुछ अलग है-खास है। इस खासियत को समाज के सामने लाने की जरूरत है। इसमें अभिभावकों का प्रोत्साहन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को जीवन मे एक अवसर मिलता है। इसे ही टर्निंग पॉइन्ट कहते हैं। समय पर यदि इसकी पहचान कर ली गई, तो महानता प्राप्त होना तय है। उन्होंने बचों से जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण रखने की शिक्षा देते हुए कहा कि नकारात्मकता से सामान्य लक्ष्य भी प्राप्त नहीं किए जा सकते। श्रीमद्भागवतगीता के निष्काम कर्म के संदेश का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने बचों से जीवन के सभी प्रयासों में ईमानदारी का भाव रखने की सीख भी दी।

सीएम ने सराहा तो होनहारों ने बताई अपनी कहानीः मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान पाने से निहाल होनहार बचों को उत्साह देखते ही बन रहा था। सीएम योगी ने एक-एक कर सभी से बात की, उनकी उपलब्धियों के बारे में जानकारी ली। बचों ने मुख्यमंत्री से अपने अब तक के प्रयासों और भावी योजनाओं के बारे में बताया।

व्योम के शतरंज से चकित हुए योगीः 09 वर्ष की आयु में 09 से अधिक वाद्ययंत्रों को बजाने में सिद्धहस्त लखनऊ के व्योम आहूजा बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में 28 राष्ट्रीय रिकार्ड दर्ज करा चुके व्योम ने मुख्यमंत्री से बताया कि उनकी इछा वेद-उपनिषदों में निहित विज्ञान के गहन अध्ययन की है। मकाऊ टॉवर से दुनिया के सबसे ऊंचे बंजी जम्पिंग स्थल से बंजी जंपिंग करने वाले व्योम ने मुख्यमंत्री के सामने खुद का डिजाइन किया हुआ महाभारत पर आधारित शतरंज के एक नए खेल का प्रदर्शन भी किया। व्योम इन नए शतरंज खेल के पेटेंट हासिल करने के लिए प्रयासरत हैं। यही नहीं व्योम ने मुख्यमंत्री के सामने तेरी मिट्टी में मिल जावां गीत पर बांसुरी वादन भी किया। उन्हें कला-संस्कृति के क्षेत्र में इस वर्ष प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया जा रहा है।

वैश्विक पटल पर भारत की नई पहचान बनाना है शादाब की मंजिलः ज्ञानार्जन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित अलीगढ़ के मास्टर मोहम्मद शादाब ने सीएम योगी से बताया कि वह वैश्विक पटल पर भारत की नई पहचान गढ़ने के इछुक हैं। शादाब ने बताया कि उन्हें अपने तेज दिमाग के लिए यूएस के डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट से 28000 अमरीकी डॉलर की छात्रवृत्ति जीती है और अमेरिकी हाईस्कूल में टॉप भी किया। उन्होंने यूएस के कैपिटल हिल में सीनेटरों के साथ खास मीटिंग के अनुभव भी साझा किए। फिलहाल वह यूएस में इंडियन यूथ एम्बेसेडर हैं।

ओलम्पिक पदक है मो.राफे की चाहतः प्रयागराज के खेल गांव पब्लिक स्कूल में 12वीं के छात्र और शानदार जिम्नास्ट, मोहम्मद राफे को खेलो इंडिया यूथ गेम्स में तीन बार गोल्ड मेडल मिल चुका है। यही नहीं कड़ी मेहनत के दम पर राफे ने वर्ष 2019 में मंगोलिया में आयोजित जूनियर एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसमें उन्होंने देश को ब्रांज मेडल दिलाया। खास बात यह है कि 10 वर्षों से भारत को इस विधा में कोई मेडल प्राप्त नहीं हुआ था। वर्तमान में भारतीय सेना की निगरानी में पुणे स्थित कैंप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे राफे ने मुख्यमंत्री को बताया वह ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं और उनकी चाहत है कि ओलम्पिक में गोल्ड मेडल लाकर देश का नाम रोशन करें।

मेरठ में वाहनों पर लगने वाली फर्जी हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट की फैक्ट्री, तीन गिरफ्तार

मेरठ । केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के साथ ही राज्य में योगी आदित्यनाथ सरकार वाहन चोरों पर शिकंजा कसने के साथ वाहन मालिकों को तमाम परेशानी से उबारने के लिए हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट (एचएसआरपी) लगवा रही है। इसके लिए वाहन मालिकों को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) ऑफिस में पंजीकरण कराना होता है और इसके बाद उनको हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट उपलब्ध कराई जाती है। मेरठ में तो समानांनतर सरकार चल रही है। यहां पर शनिवार को बड़ी संख्या में हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट मिली हैं। इसकी फैक्ट्री में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

मेरठ में दो तथा चार पहिया वाहनों की फर्जी हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेट बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई है। यहां पर छापे के दौरान पुलिस को 500 से ज्यादा नम्बर प्लेट मिली हैं। पुलिस ने फैक्ट्री में मिले तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। यहां पर नम्बर प्लेट बनाने के लिए दिल्ली से कच्चा माल आता थे। इसके बाद मेरठ में यह लोग डाई से प्लेट छापते थे। इस प्लेट पर सिर्फ बारकोड नहीं होता था। यहां से शहर के दुकानदारों को सप्लाई होती थी। मेरठ में सिविल लाइन पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर अब्दुर रहमान सिद्दीकी ने टीम के साथ शुक्रवार रात मोहनपुरी में एक फैक्ट्री पर छापा मारा था।

यहां फर्जी हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट बन रही थीं। इस दौरान करीब 500 नम्बर प्लेट तैयार थीं जबकि वहां पर 50 अर्धनिर्मित प्लेट, 300 से ज्यादा खाली प्लेट, हाईड्रोलिक मशीन, डाई, पेस्टिंग मशीन, होलोग्राम आदि बरामद हुए हैं। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक तनुज अग्रवाल निवासी सम्राट पैलेस व श्रीराम निवासी मोहन पुरी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही सदर बाजार थाना पुलिस ने थापरनगर गुरुद्वारे के पास फर्जी ढंग से हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट बेचने में संदीप को गिरफ्तार किया है। यहां पर 12 नंबर प्लेट बरामद हुई हैं। अब उसके साथी वसीम की तलाश हो रही है। यह गैंग अब तक बीस हजार से ज्यादा वाहनों में फर्जी नंबर प्लेट लगा चुका है।

एसपी सिटी अखिलेश नारायण सिंह ने बताया कि सिविल लाइन पुलिस ने नई मोहनपुरी में छापा मारकर फर्जी नंबर प्लेट बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी। मौके से सम्राट पैलेस कालोनी निवासी अनुज अग्रवाल और पुरानी मोहनपुरी निवासी राज को गिरफ्तार कर लिया। फैक्ट्री के अंदर से सात सौ से ज्यादा फर्जी नंबर प्लेट बरामद की। अनुज अग्रवाल की निशानदेही पर सदर बाजार पुलिस ने थापरनगर में छापा मारा, जहां से आरोपित संदीप को गिरफ्तार कर तीन सौ से ज्यादा फर्जी नंबर प्लेट बरामद की। एसपी सिटी ने बताया कि एक नंबर प्लेट की कीमत पांच सौ से आठ सौ रुपये तक वसूली जा रही थी।

जांच में पता चला कि इनमें आरटीओ का बारकोड नहीं है। हालांकि होलोग्राम लगाया गया है। पकड़े गए आरोपितों ने बताया कि पिछले कई दिनों से फर्जी प्लेट बनाने का काम कर रहे हैं।

अपनी ही पार्टी के अध्यक्ष पर भड़के तेजप्रताप बोले- जगदानंद जैसे लोगों की वजह से लालू यादव बीमार

पटना । बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने अपनी ही पार्टी के सीनियर नेता के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को पार्टी कार्यालय पहुंचे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजप्रताप यादव अचानक राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के ऊपर भड़क गए। जगदानंद की गैर मौजूदगी में मीडिया से बातचीत के दौरान तेजप्रताप ने यहां तक कह दिया कि जगदानंद जैसे लोगों के कारण ही लालू यादव बीमार पड़े हैं।

जनता के बीच का होना चाहिए अध्यक्ष

तेजप्रताप यादव ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष ऐसा होना चाहिए जो जनता के बीच का हो। हसनपुर से राजद विधायक तेजप्रताप ने कहा कि अभी स्थिति ये आ गई है कि पार्टी के एमएलए को भी मिलने के लिए अर्जी देनी पड़ती है। ऐसे आम जनता का क्या होगा? तेजप्रताप ने कहा कि राजद आप लोगों की पार्टी है, राजद गरीबों की पार्टी है। तेजप्रताप ने कहा कि जगदानंद तानाशाही कर रहे हैं। उनकी कोशिश पार्टी को बर्बाद करने की है। तेजप्रताप ने कहा कि मैं हसनपुर से राजद विधायक हूं, पिछले एक घंटे से पार्टी कार्यालय में हूं, लेकिन वो मुझे रिसीव करने तक नहीं आते।

आजादी पत्र पर अड़ंगा डालने का आरोप

तेजप्रताप यादव ने कहा कि राजद गरीबों की पार्टी है किंतु जगदानंद ने अपने अंदाज में पार्टी को चलाना चाह रहे हैं। राजद विधायक ने लालू यादव की रिहाई के लिए जारी अभियान आजादी पत्र में अड़ंगा डालने का भी आरोप लगाया। तेजप्रताप ने कहा कि जगदानंद ने राजद के किसी बड़े नेता को लिखने नहीं दिया। तेजप्रताप ने कहा कि जगदानंद सरीखे नेताओं के चलते ही उनके पिता आज जेल में हैं।

लखनऊ के हजरतगंज इलाके में कोविड-19 परीक्षण के लिए एक ऑटो-रिक्शा चालक से नमूना लेता स्वास्थ्यकर्मी

बिहार में कोविड के फर्जी जांच मामले में बड़ी कार्रवाई, सात ऑफिसर निलंबित, केंद्र सरकार ने मांगी रिपोर्ट

पटना । प्रदेश में कोरोना जांच में फर्जीवाड़ा पकड़े जाने के बाद सरकार ने जमुई के सिविल सर्जन, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रतिरक्षण पदाधिकारी समेत सात लोगों को निलंबित कर दिया है। चार अफसरों पर मुख्यालय स्तर पर कार्रवाई की गई है, जबकि तीन पर जिला को बर्खास्त किया गया है। इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी चलेगी। इधर सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी जिलों में जांच के निर्देश भी दे दिए हैं।

जमुई में कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट के आंकड़ों में नाम, उम्र एवं फोन नंबर में व्यापक पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया। शुक्रवार को यह मामला राज्यसभा में भी उठा। मामला सामने आने पर सरकार ने सख्त कदम उठाए और इन अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है।

मंत्री ने सभी जिलों में जांच के आदेश दिए- मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने सभी जिलों में जांच के आदेश दिए गए हैं। मंत्री पांडेय ने कहा कि इस मामले की जांच में यदि एएनएम या लैब टेक्नीशियन दोषी पाए जाएंगे तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। स्वास्थ्य विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि कोविड-19 की जांच में जिन अधिकारियों की जिम्मेवारी थी, उनके स्तर पर लापरवाही बरती गई है।

इसके बाद इन्हें निलंबित किया गया है। जिन पदाधिकारियों को निलंबित किया गया है उनमें जमुई के सिविल सर्जन डॉ. विजेंद्र सत्यार्थी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमुई सह इम्युनाइजेशन अफसर डॉ. विमल कुमार चौधरी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सिकंदरा डॉ. साजिद हुसैन, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बरहट डॉ. एनके मंडल हैं। इसके अलावा जिलों के तीन स्वास्थ्य मैनेजर को बर्खास्त किया गया है।

जांच के लिए बनाई गई 12 टीमें- कोरोना टेस्ट में फर्जीवाड़े के मामले के जोर पकडऩे के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मंत्री के निर्देश पर अलग-अलग 12 टीमों का गठन किया है। इन टीमों की जिम्मेदारी होगी कि वे संबंधित जिले में कोरोना टेस्ट के आंकड़ों की जांच करें और रिपोर्ट बनाकर सरकार को सौंपे। यदि इस दौरान जांच में कोई गड़बड़ पाई जाती है तो टीम अपनी रिपोर्ट में सरकार से कार्रवाई की अनुशंसा भी करेगी।

पीएम मोदी मेरे दोस्त, भाजपा से जुड़ता हूं तो मुझे कोई रोक नहीं सकताः दिनेश त्रिवेदी

कोलकाता । राज्यसभा से इस्तीफा देकर दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि वह बेहद भावुक शख्स हैं। अगर पार्टी में रहते हुए आपको कहा जाए कि आप प्रधानमंत्री को गाली दीजिए, गृह मंत्री को गाली दीजिए तो वह क्यों ऐसा करेंगे। बंगाल की संस्कृति ऐसी नहीं रही है। त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 1990 से मेरे मित्र हैं। उनके लिए भाजपा के दरवाजे कभी बंद नहीं हुए। गृह मंत्री अमित शाह भी उनके दोस्त हैं। दोनों सिर्फ देश के बारे में सोचते हैं। मोदी जब गुजरात के सीएम थे, तब वह उनसे मिलने जाते थे। भाजपा से जुड़ना कोई गलत बात नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि मैं भाजपा से जुड़ता हूं तो मुझे कोई रोक नहीं सकता। एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान त्रिवेदी ने कहा कि मैं जो भी करता हूं, दिल से करता हूं। मैंने पहले से सोचकर इस्तीफा नहीं दिया, बस यह हो गया। हमें क्यों देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को गाली देनी चाहिए। बंगाल की संस्कृति में हिंसा और गाली की जगह नहीं है। मैंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर हुए हमने की निंदा की थी इसलिए मेरा विरोध किया गया।

त्रिवेदी ने कहा कि ममता से मेरा निजी तौर पर कोई मतभेद नहीं है। मैं उनकी बेहतरी के लिए कामना करता हूं। मेरा उनसे हाथ जोड़कर निवेदन है कि वह बंगाल में हिंसा न करें और हिंसा की निंदा करें। मेरे ऊपर बोझ था, अब इस्तीफा देने के बाद वह सिर से हट गया। बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अब तक का सबसे बड़ा झटका देते हुए तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उनके बेहद करीबी दिनेश त्रिवेदी ने शुक्रवार को बजट सत्र के दौरान राज्यसभा सदस्य पद से अचानक इस्तीफा दे दिया। वह पिछले दो महीने से पार्टी से दूरी बनाकर चल रहे थे। पूर्व मनमोहन सिंह की अगुवाई वाली यूपीए सरकार में रेल मंत्री रहे त्रिवेदी ने सदन की कार्यवाही के दौरान इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा, मेरे बंगाल में अत्याचार बढ़ता जा रहा है और मैं कुछ नहीं कर पा रहा। मुझे यहां बैठे-बैठे अजीब सा लग रहा है। मेरी अंतरात्मा मुझसे बोल रही है कि अगर मैं कुछ नहीं कर पा रहा हूं तो मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके बाद शाम को उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यसभा के सभापति व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को सौंप दिया।

वहीं, इस्तीफे के बाद संसद के बाहर पत्रकारों से बातचीत में त्रिवेदी ने कहा, ये मेरी अंतरात्मा की आवाज थी। खासतौर पर बंगाल में जो हो रहा है उसे देखकर मैं चुपचाप संसद में नहीं बैठ सकता था। मेरे पास कोई ऐसा मंच नहीं था, जहां मैं अपनी आवाज उठा सकूं। मैं बंगाल के साथ अन्याय नहीं कर सकता। आगे उन्होंने कहा, मैं अकेला नहीं हूं जो यह महसूस कर रहा हूं। पार्टी में और भी लोग हैं जो मेरी तरह की घुटन में हैं। हम लोगों ने ममता बनर्जी को देखकर पार्टी जॉइन की थी, लेकिन अब वो उनकी पार्टी नहीं रह गई है।

त्रिवेदी ने शुरुआत में कहा, हर मनुष्य के जीवन में एक घड़ी आती है, जब उसे अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनाई देती है। मेरे जीवन में भी ऐसी ही घड़ी आई है। मैं यहां बैठकर सोच रहा था कि हम राजनीति में क्यों आते हैं? देश के लिए आते हैं। सबसे सर्वोपरि होता है देश। दो दिन पहले प्रधानमंत्री और गुलाम नबी आजाद भी देश के लिए अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। एक सत्ता पक्ष और एक विपक्ष के थे। जब रेल मंत्री था, उस दिन भी मेरे जीवन में ऐसी ही घड़ी आई थी। जब निर्णय करना पड़ा था कि देश बड़ा है, पक्ष बड़ा है कि खुद अपने आप बड़े हो।

त्रिवेदी ने आगे कहा, आज भी जब देखते हैं कि देश की क्या परिस्थिति है। पूरी दुनिया हिंदुस्तान की तरफ देखती है। कोविड-19 के दौरान भी दुनिया देख रही थी कि किस तरह से हिंदुस्तान आगे बढ़ता है। बहुत अच्छी तरह हम सब ने मिलकर इससे लड़ाई लड़ी। 130 करोड़ लोगों ने मिलकर कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ी, लेकिन नेतृत्व प्रधानमंत्री का था।

उन्होंने कहा, जिस तरह से मेरे प्रांत (बंगाल) में हिंसा हो रही है, मुझे यहां बैठे-बैठे अजीब लग रहा है। हम उस प्रांत से आते हैं जहां से रवींद्रनाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस, खुदीराम बोस आते हैं। हम सभी जन्मभूमि के लिए ही हैं। इसलिए अब मुझसे ये देखा नहीं जा रहा है। मैं एक पार्टी में हूं और उसके कुछ नियम हैं, लेकिन अब मुझे घुटन महसूस होने लगी है कि हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं। उधर, बंगाल में अत्याचार बढ़ रहा है। मेरी आत्मा की आवाज ये कह रही है कि यहां बैठे-बैठे चुपचाप रहो और कुछ नहीं कर सकते हो तो यहां से इस्तीफा दे दो। मैं बंगाल के लिए आगे काम करता रहूंगा।

चुनाव हारे तो ममता ने राज्यसभा भेजा था

गौरतलब है कि दिनेश त्रिवेदी ने पिछले साल अप्रैल में राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण की थी। त्रिवेदी ने 1980 में कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की थी। इसके बाद 1990 में वह जनता दल के साथ चले गए थे। 1998 में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस बनाई तो त्रिवेदी भी उनकी पार्टी में शामिल हो गए। त्रिवेदी दो बार लोकसभा सांसद रहे। हालांकि, वे 2019 में लोकसभा चुनाव हार गए थे।यह पहली बार नहीं है जब त्रिवेदी ने खुलकर पार्टी के खिलाफ अपनी शिकायत जाहिर की है। इससे पहले मार्च 2012 में उन्हें रेल मंत्री का पद छोड़ना पड़ा था।

तब ममता बनर्जी ने उनकी ओर से पेश रेल बजट का विरोध किया था। इसके बाद उन्हें हटाकर तब पार्टी के महासचिव रहे मुकुल रॉय को रेल मंत्री बनाया गया था। त्रिवेदी को पार्टी से सस्पेंड भी कर दिया गया था, लेकिन बाद में उन्हें बहाल कर दिया गया।गौरतलब है कि बंगाल में पिछले दो महीने में 11 तृणमूल विधायकों ने भाजपा का दामन थामा है।

रोजवैली घोटाले में अरुण मुखर्जी को सात साल की सजा और ढाई लाख का जुर्माना

कोलकाता । हजारों करोड़ के रोजवैली चिटफंड घोटाले में शुक्रवार को पहली सजा की घोषणा हुई। सीबीआइ की विशेष अदालत ने कंपनी के एक अधिकारी अरुण मुखर्जी को दोषी करार देते हुए सात साल की जेल की सजा सुनाई है। साथ ही, ढाई लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। 2013 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रोजवैली घोटाले की जांच शुरू की थी। ईडी ने रोजवैली ग्रुप के प्रमुख गौतम कुंडु को गिरफ्तार किया था। कुंडु के लैपटॉप और मोबाइल को भी जब्त किया गया था। 2014 के मई महीने में सीबीआइ ने घोटाले की जांच का जिम्मा अपने हाथों में लिया था। अरुण मुखर्जी पर बेहतर रिटर्न देने का झांसा देकर बहुत से लोगों को ठगने का आरोप लगा था, जो अदालत में साबित हो गया है। मामले की जांच को लेकर ईडी के कई अधिकारी भी शक के दायरे में हैं। उनसे भी सीबीआइ की टीम पूछताछ कर रही है। वहीं, इस चिटफंड घोटाले मामले में रोजवैली समूह के मालिक गौतम कुंडू सहित कई आरोपित पहले से जेल में बंद हैं। इस घोटाले में तृणमूल के कई कद्दावर नेताओं के भी नाम है जिनमें से कुछ की तो गिरफ्तारी भी हुई थी और लंबे समय तक जेल में बंद थे। इसय सम जमानत पर बाहर हैं।

गौरतलब है कि फरवरी 2020 में रोजवैली चिटफंड घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभिनेता शाहरुख खान की कंपनी कोलकाता नाइट राइडर्स स्पो?र्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (केआरएसपीएल) समेत तीन कंपनियों की 70 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की थी। इस कार्रवाई के बाद अब केकेआर ने अपनी सफाई दी है। केकेआर का कहना है कि रोजवैली के साथ जर्सी के अलावा और कोई डील नहीं थी। कंपनी ने 2012 और 2013 के आइपीएल सीजन के लिए केकेआर टीम की जर्सी के स्पॉन्सर्स (प्रायोजक) के अलावा रोजवैली ग्रुप के साथ किसी भी प्रकार के वित्तीय लेनदेन से साफ इन्कार किया है।

शाहरुख खान के स्वामित्व वाली आइपीएल फ्रेंचाइची केकेआर ने ईडी द्वारा सोमवार को 70 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अटैच करने के बाद यह स्पष्टीकरण जारी किया है। जब्त संपत्ति में कोलकाता नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की 11.87 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि भी शामिल है। हालांकि केकेआर ने साथ ही उम्मीद जताई है कि ईडी द्वारा इस मामले को तेजी से हल किया जाएगा।

गरीब परिवारों के बच्चों के लिए नगारची का भागीरथ प्रयास, रियल हीरो भागीरथ बने प्रेरणास्पद

उदयपुर । कोरोना काल में निजी शिक्षण संस्थान ने वेतन देने में असमर्थता जताई तो पहले से गरीबी से जूझ रहे खेल शिक्षक भागीरथ नगारची टूटे नहीं, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसा किया जो दूसरों के लिए भी नजीर बन गया। उनके भागीरथी प्रयास से गरीब बच्चे शिक्षित होने लगे। उनके लिए पुस्तक, कॉपी तथा पैंसिल आदि की व्यवस्था हो सके, इसके लिए उन्होंने सड़क किनारे प्लास्टिक के गमले बेचना शुरू किया उनसे होने वाली आय से इनका खर्चा उठाना शुरू किया।

प्लास्टिक के गमले बेचने का लिया निर्णय –उदयपुर शहर में फतहपुरा से करीब आधा किलोमीटर आगे नाथद्वारा रोड पर राजकीय बालिका विद्यालय के सामने सड़क किनारे एक खाट के इर्द-गिर्द बच्चों को पढ़ाते किसी युवा को देखे तो समझो वह भागीरथ नगारची हैं। भागीरथ उदयपुर के समीप बड़गांव स्थित एक निजी शिक्षण संस्थान में बतौर खेल शिक्षक नियुक्त हैं लेकिन कोरोना महामारी के बाद शिक्षण संस्थान ने वेतन देने में असमर्थता जता दी। ऐसे में उदयपुर में रहकर खुद का खर्चा चलाना कठिन था लेकिन वह टूटे नहीं। दैनिक खर्चा उठाने के लिए उन्होंने प्लास्टिक के गमले बेचने का निर्णय लिया और सड़क किनारे गमले बेचना शुरू कर दिया। पास की पुलां बस्ती में गरीब परिवारों के बच्चों को यूं ही घूमते देखा तो उन्होंने उन्हें शिक्षित कराने का प्रयास शुरू किया।

सबसे पहले वह गरीब बच्चों के माता-पिता से मिले और उन्हें पढ़ाने की बात कही। तब उन परिवार के लोगों को लगा कि इसके एवज में उन्हें पैसा देना होगा लेकिन भागीरथ नगारची के बिना पैसा शिक्षा देने के साथ पुस्तक, कॉपी, पैन-पैन्सिल की व्यवस्था करने की बात पर वह बच्चों को पढ़ाने के लिए भेजने लगे। बच्चों को बिठाने के लिए प्लास्टिक की छोटी-छोटी कुर्सियों की व्यवस्था की जिन्हें वह बेचने भी लगे और अपने कमरे से एक खाट ले आए। उसी के साथ यहां दैनिक रूप से बच्चों की क्लास शुरू हो गई। कोरोना महामारी के बाद लॉकडाउन खत्म होने के एक महीने बाद से उनकी क्लास दैनिक रूप से जारी है। शिक्षित करने के साथ ही उन्होंने कुछ बच्चों का प्रवेश पास के सरकारी स्कूलों में कराया।

एमए करने के बाद बीपीएड करने वाले खेल शिक्षक खुद अच्छे रेसलर हैं। वह बच्चों को रेसलर बनाने के लिए उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण देते हैं। उदयपुर की प्रख्यात लक्ष्मण व्यायामशाला में वह बच्चों को ले जाते हैं और कुश्ती के गुर सिखाते हैं। साथ ही गांधी ग्राउण्ड ले जाकर उन्हें प्रशिक्षित करते हैं।

गरीबी देखी है इसलिए उनकी पीड़ा समझते हैं। भागीरथ कहते हैं कि उन्होंने गरीबी देखी है। गोगुंदा उपखंड क्षेत्र के सायरा तहसील के सिंघाड़ा गांव के भागीरथ बेहद गरीब परिवार से हैं। परिवार उनकी शिक्षा उठाने में असमर्थ थे लेकिन उन्होंने मजदूरी कर अपनी पढ़ाई जारी रखी और अधिस्नातक करने के साथ बीपीएड भी किया। अब सरकारी नौकरी के लिए अध्ययन में जुटे हैं। उनका कहना है कि सरकारी सेवा के बाद वह गरीब परिवार के ज्यादा बच्चों को पढ़ा पाएंगे। वे मानते हैं कि आर्थिक स्थिति के चलते भी समाज में भेदभाव होता है और इसे खत्म करने के लिए जरूरी है शिक्षित होना।

गांजे की खेप लेकर जा रहा आरोपी गिरफ्तार

10 किलो गांजा बरामद, गोहलपुर पुलिस की कार्रवाई

जबलपुर (एजेंसी)।

गोहलपुर पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान गांजे की खेप लेकर जा रहे एक तस्कर को दबोचा है। आरोपी पुलिस को चकमा देते हुए पैदल चैकिंग क्रास कर रहा था, उसी समय पुलिस को संदेह हुआ, जिस पर आरोपी को रोका गया और तलाशी लेने के दौरान उसके पास से 10 किलों 350 ग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।

भागने पर घेरकर रोका गया

पुलिस ने बताया कि बीती रात अमखेरा संस्कार परिसर के समीप वाहन चैकिंग लगी हुई थी। इसी दौरान एक संदेही युवक बैग लेकर जाते हुए दिखा, जो पुलिस को देखकर तेजी से भागने लगा, जिसे घेरकर रोका गया। जिसने पूछताछ पर अपना नाम गोहलपुर नर्मदा नगर मालगुजार परिसर निवासी 25 वर्षीय विकास चौरसिया पिता शिवशंकर चौरसिया बताया। आरोपी के पास मौजूद बैग की तलाशी लेने पर पुलिस को उसमें 10 किलों 350 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जिस पर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी गई है।

अधारताल पुलिस के हत्थे भी चढ़ा गांजा तस्कर

जबलपुर (आरएनएन)। अधारताल पुलिस ने महाराजपुर कमानिया के पास गांजा लेकर जा रहे एक आरोपी को दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक किलों दो सौ ग्राम गांजा बरामद करते हुए उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक गांजा लेकर महाराजपुर की ओर जा रहा है। सूचना पर तत्काल ही कमानिया के पास घेराबंदी कर पुरानी बस्ती महाराजपुर निवासी 19 वर्षीय आरोपी रामकृपाल पिता रामबहोर गोटियां को पकड़ा। जिसके पास से मिले थैले के अंदर से दो पॉलिथिन के पैकेट मिले, जिसमें गांजा भरा हुआ था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।

नौवें दिन भी जारी रही सहकारी समिति की हड़ताल

सिहोरा (एजेंसी)।

विगत नौ दिनों से नियमितीकरण करने सहित अन्य मांगों को लेकर पुराना बस स्टैंड के पास स्थित जिला सहकारी बैंक प्रांगण में जबलपुर, कटनी जिला के सहकारी समितियों के कर्मचारियों द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता कर्मचारी महासंघ के तत्वावधान में विगत 04 फरवरी से की जा रही कलम बंद हड़ताल शनिवार को नवमें दिन भी जारी रही।

संगीतमय कीर्तन का आयोजन

समस्त हड़ताली कर्मचारियों ने एकत्र होकर सरकार को जगाने के लिए संगीतमय कीर्तन का आयोजन किया। हड़ताल के दौरान कटनी, जबलपुर जिलो के अनेक प्रबंधक, लिपिक, सेल्समैन, मुख्य आपरेटर, चौकीदार, सहायको ने हिस्सा लेकर कर्मचारियों की हड़ताल को मजबूती प्रदान की शासकीय आदेश के मुताबिक गेहूं के पंजीयन के अब करीब आठ दिन शेष रह गये हैं और किसानो को लग नहीं रहा की हड़ताल के चलते उनका पंजीयन हो पायेगा।

अनाज नहीं मिल पा रहा

यही हाल गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों का है। हड़ताल के चलते उनको अनाज नही मिल पा रहा है जिससे उनको भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । हड़ताल इतने दिनो से चल रही है और सरकार के कानो में जू तक नही रेंग रही है और इसका खामियाजा किसानों और गरीबो को भुगतना पड़ रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश सचिव दिनेश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष राहूल तिवारी , संतोष गर्ग , राधे यादव, शैलेंद्र तिवारी, चन्द्र प्रकाश तिवारी, अनिल उपाध्याय, भुवनेश्वर तिवारी, अखलेश पटेल राजेन्द्र सिंह, देवेन्द्र गर्ग, सुरेंद्र मिश्रा, बलराम गर्ग, चन्द्र भान पटेल, अखिलेश पटेल,राजभान मिश्रा, बिरेन्द्र गर्ग, शैलेन्द्र तिवारी सहित अनेक कर्मचारी धरना प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित थे ।

पाटन में रामभक्तों ने प्रस्तुत की सहयोग निधि

पाटन (एजेंसी)।

अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के दिव्य मंदिर निर्माण के लिए श्रीराम जन्मभूमि निर्माण तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा देश में निधि समर्पण जन-जागरण महासंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम टोली पाटन नगर संयोजक बलराम सिंह यादव के नेतृत्व में घर-घर पहुंच रहे हैं। समर्पण निधि संकलन कार्यक्रम में राम भक्तों ने स्वेच्छा से सहयोग निधि देने का संकल्प जताया। इस दौरान रामभक्त स्वेच्छा से सहयोग निधि प्रस्तुत कर रहे हैं। राम भक्त टोली में भाजपा नेता मुन्ना यादव, राघवेंद्र यादव, विजय दीप, मुकुल, शशांक यादव आदि सम्मिलित रहे।

श्रीगंगानगर में सड़क हादसे में छह की मौत,10 घायल

जयपुर । राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में शनिवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए श्रीगंगानगर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा श्रीगंगानगर जिले के राजियासर गांव में सुबह करीब साढ़े 11बजे हुआ। यहां ओवरटेक कर रहे एक ट्रक ने क्रूजर जीप को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जीप पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रक के आगे का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। मृतकों में चार महिलाएं और एक बच्ची शामिल है। जीप चालक की भी मौत हुई है। पुलिस के अनुसार, हनुमानगढ़ जिले के किशनपुरा गांव का एक परिवार जैसलमेर में स्थित लोकदेवता रामेदवरा दर्शन करने जा रहा था। इस परिवार के अलावा जीप में गांव के दो और लोग सवार थे।

इसी बीच, श्रीगंगानगर जिले के राजियासर गांव में शराब के नशे में ट्रक चालक ने ओवर टेक करते हुए जीप को टक्कर मार दी। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को क्रेन से अलग किया। इसके बाद जीप के दबे हुए हिस्से को काटकर मृतकों व घायलों को बाहर निकाला। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतकों के शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, ट्रक चालक नशे में था। ट्रक बीकानेर की तरफ से आ रहा था, जो श्रीगंगानगर जा रहा था। वहीं, जीप हनुमानगढ़ से जैसलमेर की तरफ जा रही थी। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर जाम लग गया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने जाम खत्म करा कर वाहनों की आवाजाही शुरू कराई। राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर मृतकों के प्रति शोक जताया है।

इससे पहले चित्तौड़गढ़ जिले में शुक्रवार अपरान्ह बस और ट्रक की सीधी भिड़ंत में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि बीस अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो युवतियां व एक युवक शामिल है। घायलों को चित्तौड़गढ़ के श्रीसांवलिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से गंभीर घायल तीन जनों को उदयपुर के लिए रेफर कर दिया गया। हादसा चित्तौड़गढ़ जिले के सदर थाना क्षेत्र में उदयपुर हाइवे के बीच रिठौला चौराहे के समीप अपरान्ह ढाई बजे हुआ।

शिवसेना ने केंद्र से की महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को वापस बुलाने की अपील

मुंबई । शिवसेना ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर भाजपा के ढर्रे पर चलने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार यदि चाहती है कि संविधान बरकरार रखना चाहती है तो उन्हें वापस बुला लिया जाये। शिवसेना ने कहा महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार स्थिर और मजबूत है। केंद्र सरकार उन पर हमला करने के लिए राज्यपाल का सहारा नहीं ले सकती।

शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय के अनुसार, राज्यपाल कोश्यारी एक बार सुर्खियों में हैं, वह बीते कई वर्षो से राजनीति में हैं। वह केंद्रीय मंत्री रहे और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। लेकिन जब से वह महाराष्ट्र के राज्यपाल बने हैं तब से हमेशा खबरों और विवादों में घिरे रहते हैं।

सामना के संपादकीय में कहा गया है कि कोश्यारी हमेशा विवादों में ही क्यों घिरे रहते हैं ये भी एक प्रश्न है। बता दें कि हाल ही में वह विमान के इस्तेमाल को लेकर सुर्खियों में आए थे। राज्यपाल कोश्यारी विमान से देहरादून जाने के लिए मुंबई एयरपोर्ट गए थे लेकिन सरकार ने उन्हें सरकारी विमान से देहरादून जाने की अनुमति नहीं दी जिसके बाद उन्हें प्राइवेट विमान से देहरादून जाना पड़ा। इस मामले में शिवसेना ने सफाई देते हुए कहा कि विपक्षी भाजपा इसे मुद्दा बना रही है।

शिवसेना का कहना है कि सरकार ने जब विमान को उड़ान भरने की मंजूर नहीं दी तो वह विमान में बैठे ही क्यों। संपादकीय में बताया गया है कि ये राज्यपाल का निजी दौरा था कानून के अनुसार राज्यपाल हो या मुख्यमंत्री अपनी निजी यात्रा के लिए सरकारी विमान का प्रयोग नहीं कर सकते।

विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने राज्य सरकार पर अहंकारी होने का आरोप लगाया है।

शिवसेना का कहना है कि देश जानता है कि अहंकार की राजनीति कौन कर रहा है। कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर बीते 80 दिनों से प्रदर्शन कर रहे किसानों में से अब तक 200 किसानों की मौत हो चुकी है लेकिन सरकार कानून वापस लेने को तैयार नहीं है।

क्या यह सरकार का अहंकार नहीं है। राज्यपाल को सरकार के एजेंडे पर चलना चाहिये विपक्ष के एजेंडे पर नहीं। शिवसेना ने कहा राज्यपाल कोश्यारी कठपुतली की तरह कार्य कर रहे हैं, जबकि वह महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं और एक सम्मानित व्यक्ति हैं। अपने पद की प्रतिष्ठा बरकरार रखना उनका भी कर्त्तव्य है।

सलमान खान को धमकी देने वाले गैंगस्टर लॉरेंस को सताने लगा मौत का डर, हाईकोर्ट से मांगी सुरक्षा

जोधपुर । जोधपुर में पुलिस की मौजूदगी में कोर्ट परिसर के भीतर खुलेआम फिल्म अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाले कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई को अब अपनी मौत का डर सता रहा है। अपनी खुद की मौत के अंदेशे से डरे सहमे लॉरेंस ने हाईकोर्ट में सुरक्षा की अर्जी लगाई है। लॉरेंस को लग रहा है कि पुलिस उसका एनकाउंटर कर देगी। इसके लिए उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सुरक्षा की मांग की है।

हाई सिक्योर मानी जाने वाली अजमेर जेल में बंद लॉरेंस की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है, लॉरेंस की तरफ से उनके वकील नमन मोहनोत ने कहा कि अजमेर जेल में बंद लॉरेंस को जान का खतरा है । उसे खाना-पीना व अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान नहीं की जा रही है। लॉरेंस को आशंका है कि जेल से कोर्ट ले जाने के दौरान उसका एनकाउंटर किया जा सकता है । न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी की कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से राजकीय अधिवक्ता ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि लॉरेंस को किसी प्रकार का खतरा नहीं है । दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने राज्य सरकार से इस बारे में जवाब तलब किया है । मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी को होगी ।

विधायक विश्वजीत दास ने लगाया शांतनु ठाकुर पर आरोप कहा- मतुआ के नाम पर कर रहे हैं राजनीति

कोलकाता । तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए विधायक विश्वजीत दास पिछले आठ फरवरी को विधानसभा में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पांव छूकर प्रणाम करने के साथ-साथ करीब 20 मिनट तक बैठक की थी। इसके बाद ही अटकलें लगने लगी थी कि वह तृणमूल में पुनः लौट सकते हैं। हालांकि, उन्होंने बाद में ऐसी कोई बात से इन्कार कर दिया था। परंतु, इसके चार दिन बाद उन्होंने अपने ही क्षेत्र बनगाव के भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ऐसे में कहा जा रहा है कि वह तृणमूल में लौट सकते हैं।

राज्य भाजपा नेताओं से नाराजगी के कारण वे घरवापसी करेंगे। हालांकि विश्वजीत दास ने अभी तक इस पर कोई बयान नहीं दिया है। 11 फरवरी को ठाकुरनगर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सभा में मंच पर जाने से सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक दिया था। हालांकि,

बाद में सुवेंदु अधिकारी के हस्तक्षेप से वह मंच पर पहुंचे थे। शुक्रवार को इसके लिए दास ने स्थानीय सांसद शांतनु ठाकुर को जिम्मेदार बताया था और आरोप लगाया था कि ठाकुर भाजपा नेतृत्व के साथ मतुआ को लेकर ब्लैकमेल कर रहे हैं।

इस पर शांतनु ठाकुर ने भी विश्वजीत दास पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें नहीं पता कि दास उनके खिलाफ क्यों बोल रहे हैं। वह कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री से मिलने गए थे। लगता है कि वह तृणमूल में लौटना चाहते हैं। इसलिए वह उन पर आरोप लगा रहे हैं। इससे पहले, विश्वजीत दास ने शांतनु ठाकुर पर आरोप लगाते हुए कहा था कि शांतनु मतुआ समाज का इस्तेमाल करके राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी को ब्लैकमेल कर बनगांव में अलग सांगठनिक जिला कमेटी बनाई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अमित शाह की सभा में जाने के लिए पार्टी की ओर से अतिथियों के नामों की सूची भेजी गई थी, लेकिन शांतनु ने उस सूची को हटाकर खुद से नई सूची तैयार की थी। मुख्यमंत्री से मिलने के विषय में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी राज्य की मुख्यमंत्री हैं। वह इलाके के विकास के मुद्दे को लेकर उनसे बात करने गए थे।

सपना चौधरी

के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का केस, हो सकती है पूछताछ

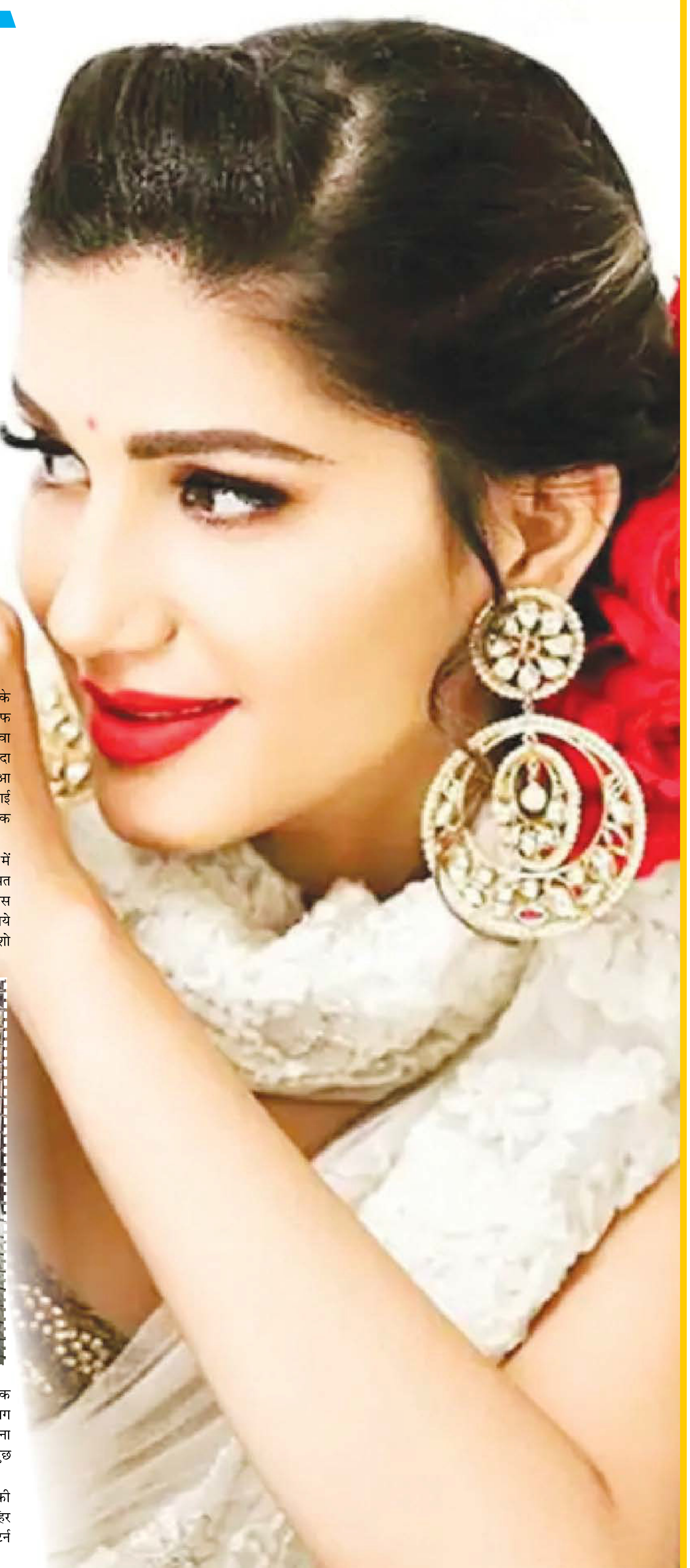

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने हरियाणवी सिंगर और डांसर सपना चौधरी के खिलाफ केस दर्ज किया है। देसी क्वीन कहीं जाने वाली सपना चौधरी के खिलाफ धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोप में केस दर्ज किया गया है। सपना चौधरी के अलावा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी केस फाइल हुआ है। हालांकि अभी इस बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है कि किस मामले में सपना चौधरी के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। बीते साल अक्टूबर में मां बनने के बाद से सपना चौधरी एक बार फिर से एक्टिव हो गई हैं और उनके 5 गाने रिलीज हो चुके हैं। यही नहीं स्टेज परफॉर्मेंस भी सपना चौधरी ने एक बार फिर से शुरू कर दिया है।

बता दें कि इससे पहले 2019 में सपना चौधरी के भाई ने एक इवेंट्स ऑर्गेनाइजर पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने सपना चौधरी की बकाया राशि को लेकर यह शिकायत दर्ज कराई थी। सपना चौधरी के भाई विकास चौधरी का कहना था कि वह पुलिस के पास इसलिए गए थे क्योंकि लुधियाना में एक शो के लिए इवेंट्स ऑर्गेनाइजर ने 8 लाख रुपये देने की बात की थी, लेकिन उसने सिर्फ 6 लाख रुपये ही दिए। सपना चौधरी रियल्टी शो बिग बॉस में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

बता दें कि पिछले साल ही सपना चौधरी, वीर साहू के साथ शादी के बंधन में बंधी और एक बेटे को जन्म दिया था। सपना चौधरी को बड़े स्तर पर सलमान खान द्वारा होस्टिड शो बिग बॉस से फेम मिला। अपने डांस से सभी का दिल जीतने वालीं सपना बॉलीवुड में भी अपना दम दिखा चुकी हैं। सपना ने नानू की जानू, भांगओवर और वीरे की वेडिंग जैसी कुछ बॉलीवुड फिल्मों में आइटम सॉन्ग भी किया है।

गौरतलब है कि सपना चौधरी सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। सपना की तस्वीरों को फैन्स काफी पसंद करते हैं और लाइक्स व कमेंट करके अपना प्यार जाहिर करते हैं। बता दें कि सपना चौधरी का देसी अंदाज फैन को काफी पसंद है, लेकिन वेस्टर्न अवतार में भी सपना को पसंद करने वालों की कमी नहीं है।

सारा अली खान की हुई सर्जरी, फैन्स से कहा- सॉरी, मैं अच्छे से बात नहीं कर पा रही...

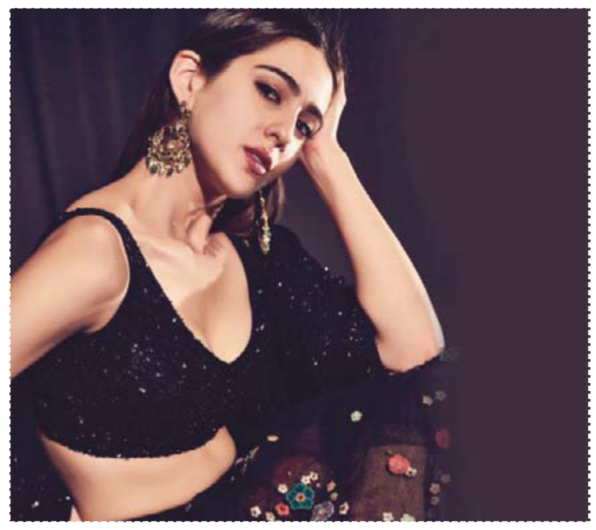

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। कभी सारा फिल्मों को लेकर सुर्खियों में होती हैं तो कभी उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स की वजह से, ऐसे में सारा एक बार फिर खबरों में हैं और इस बार वजह है उनका एक वीडियो। दरअसल सारा ने इंस्टाग्राम पर एक फनी वीडियो शेयर किया है, जिसमें विजडम टूथ निकलवाने के लिए वो डेंटिस्ट के पास पहुंची हैं।

सारा अली खान ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें उनके साथ डेनटिस्ट नजर आ रहे हैं। सारा के वीडियो में दो हिस्से मौजूद हैं, एक हिस्से में वो विजडम टूथ निकलवाने के पहले बात करती नजर आ रही हैं तो वहीं दूसरे हिस्से में वो विजडम टूथ निकलवाने के बाद बात करती नजर आ रही हैं। वीडियो के कैप्शन में सारा अली खान ने लिखा है– नमस्ते दर्शकों, ज्ञानी दांत... बाय बाय। सारा के इस फनी वीडियो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं।

सारा वीडियो में कहती हैं, नमस्ते दर्शकों, सॉरी मैं इतने अच्छे से बात नहीं बोल पा रही हूं। मुझे हमारे हर सेन्टेन्स में हंसी आ रही है और डॉक्टर शेट्टी हैं हमारे साथ। वो हमारे ज्ञानी दांतों का... उद्घाटन बोलने वाली थी...पर वो सही वर्ड नहीं है, उसका मतलब तो लॉन्च होता है...एक्सट्रैक्शन को क्या बोलते हैं....डॉक्टर राजेश शेट्टी जो कि बेस्ट हैं वो हमारे दांतों को उखाड़ने वाले हैं।

इसके बाद सारा अली खान वीडियो में मां के साथ डिनर का जिक्र करती हैं, लेकिन सही से अपनी बात बोल नहीं पाती हैं। वहीं विजडम टूथ निकलवाने के बाद सारा फिर कहती हैं, नमस्ते दोस्तों.. हमारा सर्जरी हो गया सब कुशल मंगल, थैंक्यू सो मच डॉक्टर शेट्टी जी...। सारा अली खान के इस वीडियो को अभी तक करीब 20 लाख बार देखा जा चुका है। वहीं इस वीडियो पर करीब 2 हजार कमेंट्स हैं।बात सारा अली खान के फिल्मी करियर की करें तो सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड डेब्यू के बाद वो रणवीर सिंह के साथ सिम्बा और वरुण धवन के साथ कुली नंबर वन में नजर आईं। वहीं सारा की अगली फिल्म अक्षय कुमार और धनुष के साथ फिल्म 'अतरंगी रे' हैं।

VIRAL VIDEO: जान्हवी कपूर ने चलाया ई-रिक्शा, टीम मेंबर्स बोले- हमें बचाओ, हमें बचाओ

अपनी क्यूटनेस से सभी का दिल जीतने वालीं अभिनेत्री जान्हवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। जान्हवी इन दिनों फिल्म गुड लक जैरी के शूट में बिजी हैं। ऐसे में शूटिंग सेट से कुछ फोटोज और वीडियोज सामने आए हैं। जिसमें जान्हवी कपूर काफी मस्ती के मूड में नजर आ रही हैं। वहीं जान्हवी के रिक्शा चलाते हुए वीडियो को भी फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं।

बता दें कि आनंद एल राय निर्देशित फिल्म गुड लक जैरी का शूट नॉर्थ इंडिया में जारी है। जान्हवी कपूर पहले भी फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर चुकी हैं। ऐसे में अब जान्हवी ने कुछ नई

तस्वीरें साझा की हैं। वहीं इसके साथ ही उन्होंने वीडियोज भी साझा किए हैं। ऐसे ही एक वीडियो में जान्हवी कपूर ई– रिक्शा चलाती नजर आ रही हैं और रिक्शे में पीछे उनकी टीम के कुछ लोग बैठे हैं।

वीडियो को शूट करते हुए व्यक्ति जान्हवी से कह रहा है, बस बस बस... आगे रास्ता नहीं है, अब घुमाना पड़ेगा। वहीं जान्हवी कहती हैं– आगे जाना है। इस मजेदार वीडियो में पीछे बैठे लोग कह रहे हैं– हमें बचाओ, हमें बचाओ। वहीं इसके अलावा जो जान्हवी ने फोटोज साझा की हैं, उनमें लोकेशन के कुछ सीन्स और खुशी कपूर भी नजर आ रही हैं। इसके साथ ही एक और वीडियो में जान्हवी कपूर की हेयरड्रेसर ने कई कलरफुल बिंदी लगा रखी है। इस पोस्ट को साझा करते हुए जान्हवी ने कैप्शन में लिखा– फिल्म शूट करके मजा आता है।

जान्हवी कपूर के इस पोस्ट को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं और लाइक्स और कमेंट्स के जरिए अपना प्यार जाहिर कर रहे हैं। कुछ लोग जहां जान्हवी की खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं .

मानसा वाराणसी ने जीता फेमिना मिस इंडिया 2020 का खिताब

10 फरवरी को फेमिना मिस इंडिया द्वारा इंस्टाग्राम अकाउंट से वीएलसीसी टॉप 3 विनर्स का ऐलान किया गया। जिसमें 23 वर्षीय मानसा वाराणसी ने ङ्कस्रष्टष्ट फेमिना मिस इंडिया 2020 का खिताब जीत लिया है। जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर मानसा की तस्वीरें वायरल होना शुरू हो गई हैं।

बता दें कि फेमिना मिस इंडिया 2020 के ग्रांड फिनाले में तेलंगाना की मानसा ने मिस इंडिया के खिताब पर कब्जा किया तो वहीं मान्या सिंह और मनिका शियोकांड फर्स्ट व सेकेंड रनर अप रहीं। वहीं बात टॉप 5 की करें तो इस लिस्ट में खुशी मिश्रा, मान्या सिंह, मानसा, रति हुलजी और मनिका शेओकांड का नाम शामिल रहा। लेकिन मानसा ने सभी को मात देकर क्राउन जीता।

याद दिला दें कि फेमिना मिस इंडिया 2020 के ग्रांड फिनाले का आयोजन मुंबई में हुआ था। इस इवेंट में वाणी कपूर, चित्रांगदा सिंह, नेहा धूपिया, अपारशक्ति खुराना और पुलकित सम्राट सहित कई अन्य सितारे शामिल हुए थे। एक ओर वाणी जहां इस रात की स्टार परफॉर्मर रहीं तो वहीं दूसरी ओर पुलकित सम्राट और चित्रांगदा सिंह इस फिनाले इवेंट के पैनलिस्ट रहे।

गौरतलब है कि इस आयोजन को अपारशक्ति खुराना ने होस्ट किया था। सूट बूट में एक ओर जहां अपारशक्ति फुल ऑन स्वैग अवतार में नजर आ रहे थे तो वहीं अपनी मस्ती मजाक और जोशीले अंदाज से उन्होंने इस इवेंट में चार चांद लगा दिए।

संक्षिप्त समाचार

रोहित ने शतक लगाया, युसूफ और दिलशान से आगे निकले

चेन्नई, (एजेंसी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने भारत और इंग्लैंड के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में शानदार शतक लगाने के साथ ही टीम इंडिया को कठिन हालातों से निकला। रोहित का यह सातवां टेस्ट शतक है हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ यह उनका पहला शतक है। रोहित ने अपनी शतकीय पारी में 14 चौके और दो छक्के लगाए हैं। उन्होंने सभी शतक घरेलू मैदान पर ही लगाये हैं। रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट में सात, एकदिवसीय में 29 और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में चार शतक लगाये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 40वां शतक लगाते ही उन्होंने मोहम्मद युसूफ और तिलकरत्ने दिलशान को पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों ने अब तक 39-39 शतक लगाए हैं। वहीं रोहित ने न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर की बराबरी कर ली है। रोहित से आगे अब केवल विराट कोहली 70 और डेविड वॉर्नर 43 शतक हैं। भारत की ओर से रोहित से ज्यादा शतक सिर्फ सचिन तेंदुलकर 100, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ (48 ने ही लगाये हैं।

टॉस हारकर भी जीतना आता है : रूट

चेन्नई, (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रुट ने कहा है कि उनकी टीम को टॉस हारकर भी जीतना आता है। रुट ने कहा कि वे कई मैच टॉस हारकर भी जीत चुके हैं। इसलिए टॉस हारना कोई चिंता की बात नहीं है। रूट ने यह भी कहा कि वे इस पिच पर पहले बल्लेबाजी करना पसंद करते। उन्होंने साथ ही कहा, हमने हाल ही में श्रीलंका में टॉस हारने के बाद दो मैच जीते थे। इसलिए यह ज्यादा चिंता की बात नहीं है। यह टीम संयोजन और मैदान पर उतरकर प्रदर्शन करने की बात है। हम जानते हैं कि अलग-अलग हालातों में मैच कैसे जीते जाते हैं। पहले टेस्ट मैच में रूट के दोहरे शतक से ही इंग्लैंड टीम ने शानदार जीत दर्ज की थी।

ऑस्ट्रेलिया ओपन : जोकोविच चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न, (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के बाद भी तीसरे दौर का मुकाबला जीता। जोकोविच जब मुकाबले के दौरान अमेरिका के टेलर फ्रित्ज से 2 सेट से आगे चल रहे थे तभी उनके पेट के दाहिने ओर तेज चोट लगी और वह अपना हाथ तक नहीं उठा पा रहे थे। तब ऐसा लग रहा था कि जोकोविच रिटायर हो जाएंगे पर फ्रित्ज ने अगले दोनों सेट जीत लिए। जोकोविच ने अंत में 7-6, 6-4, 3-6, 4-6, 6-2 से जीत दर्ज की। वहीं एक होटल में कोरोना वायरस के नए स्टेन का मामला पाए जाने के बाद विक्टोरिया प्रांत में लॉकडाउन का फैसला लिया गया और दर्शकों को कोर्ट छोड़ने के निर्देश मिलने के कारण खेल दस मिनट रोकना पड़ा।

टोक्यो ओलंपिक प्रमुख मोरी का इस्तीफा

टोक्यो (एजेंसी)। महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में हो रही आलोचनाओं को देखते हुए टोक्यो ओलंपिक 2020 के प्रमुख याशिरो मोरी ने इस्तीफा दे दिया है। साथ ही अपने बयान के लिए भी माफी मांगी है। ओलंपिक के शुरू होने में अब केवल पांच महीने ही रह गये हैं और ऐसे समय में मोरी के इस्तीफे से तैयारियों के प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है। मोरी के टोक्यो ओलंपिक के प्रमुख पद से इस्तीफ देने से कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण स्थगित होने के बाद फिर शुरू हो रहे ओलंपिक 2020 के आयोजकों में निराशा का माहौल है। टोक्यो 2020 के मुख्य कार्यकारी तोशिरो मुतो ने कहा कि चयन समिति शीघ्र ही नये अध्यक्ष का चुनाव करेगी। मुतो ने यह नहीं बताया कि नए प्रमुख का चुनाव कब होगा पर कहा कि यह जल्द ही हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए उम्मीदवार को ओलंपिक का अनुभव होना चाहिए और उसे विविधता और समावेश की समझ होनी चाहिए।

संदीप, राहुल ओर प्रियंका ने वॉक स्पर्धा में ओलंपिक क्वालीफाई किया

रांची, (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में दो दिवसीय 8वीं नेशनल और चौथी अंतरराष्ट्रीय रेस वॉकिंग चैंपियनशिप शुरू हुई है। इसमें कैटी इरफान और भावना जाट जैसे रेस वॉकर हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन हरियाणा के संदीप कुमार और राहुल ने 20 किलोमीटर वॉक स्पर्धा में ओलंपिक क्वालीफाई किया। वहीं महिला वर्ग से 20 किलोमीटर में उत्तर प्रदेश के मेरठ की प्रियंका कुमारी को ओलंपिक टिकट मिला। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के रेस वॉकर भाग ले रहे हैं हालांकि कोरोना महामारी को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेने नहीं पहुंचे। इस दो दिवसीय टूनार्मेंट के जरिए खिलाड़ियों के पास ओलंपिक क्वालीफाई करने का अवसर रहेगा। इसके साथ ही विश्व कप 2022 का टिकट भी इस चैंपियनशिप के जरिए हासिल किया जा सकता है। संदीप ने एक घंटा 20 मिनट 16 सेकंड का समय लेकर टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह बना ली जबकि राहुल ने एक घंटा 20 मिनट 26 सेकंड का समय लेते हुए ओलंपिक की पात्रता हासिल की।

बेंगलुरू एफसी ने मार्को को बनाया कोच

मडगांव, (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम बेंगलुरू एफसी ने इटली के अनुभवी पेजाउली को अपना नया मुख्य कोच बनाया है। पेजाउली के साथ बेंगलुरू का तीन साल का करार प्रदर्शन के आधार पर रहेगा। वह मौजूदा आईएसएल टूनार्मेंट के बाद टीम का प्रभार संभालेंगे। पेजाउली का टीम के साथ पहला टूनार्मेंट 14 अप्रैल को एएफसी कप के शुरूआती चरण दो का मुकाबला होगा। उनका अनुबंध 2023-24 सत्र के अंत तक होगा। पेजाउली इससे पहले बुंदेसलीगा टीम एंट्रिच फ्रेंकफर्ट के साथ तकनीकी निदेशक पद पर थे। इस नियुक्ति के संदर्भ में पेजाउली ने कहा कि बेंगलुरू एफसी का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व है और टीम को दोबारा शीर्ष पर पहुंचाने की चुनौती को लेकर मैं उत्साहित हूं।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए विदर्भ के कप्तान होंगे फैज

नागपुर, (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज फैज फजल 20 फरवरी से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में विदर्भ टीम की कप्तानी करेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर को इस 22 सदस्यीय टीम का उपकप्तान बनाया गया है। टीम में रामास्वामी संजय और अनुभवी बल्लेबाज गणेश सतीश भी शामिल हैं। विदर्भ को एलीट ग्रुप बी में आंध्र, मध्यप्रदेश, झारखंड, पंजाब और तमिलनाडु के साथ रखा गया है। इसके मैच इंदौर में होंगे। विदर्भ को पहला मैच 20 फरवरी को आंध्र से खेलना है।

टीम : फैज फजल (कप्तान), आर संजय, सिद्धेश वाठ, जितेश शर्मा, गणेश सतीश, यश राठौड़, क्षितिज दहिया, अक्षय वाडकर, दर्शन नलकांडे, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे, सूरज राय, अक्षय वखारे, हर्ष दुबे, मोहित राउत, आदित्य सरवटे, नचिकेत, रूषभ राठौड़, मंदार महाले, रजनीश गुरबानी, अक्षय कणेर्वार, अथर्व तायडे।

खेल में धर्म कहां से आया : कैफ

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने वसीम जाफर मामले में सवाल उठाया है कि खेल में धर्म कब से आ गया। जाफर को धार्मिक आधार पर चयन के आरोपों के बाद उत्तराखंड क्रिकेट टीम के कोच पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इसी दौरान कैफ ने अपने एक कॉलम में पुरानी बातों को भी साझा किया है। कैफ ने कहा कि किस तरह महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर अपने किट बैग में साई बाबा की तस्वीर रखते थे और जहीर खान भी अपनी आस्था के अनुरूप चीजें रखते थे पर कभी किसी ने कोई विवाद नहीं किया। उन्होंने सवाल किया कि इस महान खेल में धर्म कब से आ गया। उन्होंने साथ ही कहा कि जाफर के साथ उनकी धार्मिक पहचान को लेकर जो भी कुछ हो रहा है, वह बेहद खराब है। कैफ ने साथ ही कहा कि मैंने यूपी के लिए अलग-अलग टीमों से खेला, भारत के लिए अलग-अलग जोन की टीमों का प्रतिनिधित्व किया, इंग्लैंड के क्लब और काउंटी से खेला लेकिन कभी मुझे अपने धर्म को लेकर कुछ कहा नहीं किया गया। उन्होंने आगे लिखा, मैंने रनों की कमी के बारे में चिंता की, अपनी टीम के साथियों को बुरे दौर और फॉर्म से उबरने के लिए प्रेरित किया और सोचा कि मुकाबला कैसे जीतें। कभी भी मैं यह सोचकर सोने नहीं गया कि एक टीम साथी मेरे धर्म के बारे में क्या सोचता है।

कैफ ने लिखा, मुझे याद है कि सचिन अपने क्रिकेट किट बैग में अपने आराध्य साईं बाबा की तस्वीर रखते थे। वीवीएस लक्ष्मण भी भगवान की तस्वीर रखते थे। जहीर खान, हरभजन सिंह अपनी-अपनी आस्था के अनुरूप चीजें करते थे। उस समय कप्तान रहे सौरव गांगुली हो या कोच जॉन राईट, हम सभी अलग-अलग परिवेश, भाषा, धर्म के थे लेकिन हम आपस में कभी इन चीजों के बीच ना मनभेद ना मतभेद करते थे। हम हिंदू-मुस्लिम सिख या ईसाई नहीं थे। हम सभी एक साथ, एक देश के लिए एकजुट होकर खेलते थे।

चेन्नई में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा इंग्लैड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजी करते हुए।

मेलबोर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में चेक गणराज्य की कैरोलिन पिलिस्कोवा ने निराशा में अपना रैकेट उछाल दिया।

ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ियों का टीकाकरण अगले माह से शुरू होगा

नई दिल्ली, (संवाददाता)। आगामी टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों को कोविड-19 के लिए अगले माह मार्च के अंत से टीके लगने शुरू हो जाएंगे। खेल मंत्रालय ने इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय से क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों और उनके कोचों को प्राथमिकता सूची में रखने को कहा है। खेल मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार उन्होंने इसके लिए एक खाका तैयार कर लिया है तथा स्वास्थ्य मंत्रालय से मंजूरी मिलने पर उन्होंने ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के टीकाकरण अगले महीने से शुरू करने की योजना बनायी है। एक अधिकारी ने कहा, खेल मंत्रालय ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता सूची में रखने का आग्रह किया है।

विराट की कप्तानी को खतरा नहीं : पीटरसन

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा है कि उनकी कप्तानी को कोई खतरा नजर नहीं आता है। पीटरसन ने माना कि पिछले कुछ समय में लगातार हो रही हार से विराट पर कुछ दबाव बना है। इसी कारण ऑस्ट्रेलिया में मिली जीत के बाद मीडिया में भी आजिंक्य रहणे को कप्तान बनाये जाने की बातें उठ रही हैं पर कुल मिलाकर देखा जाए तो आने वाले समय में विराट की कप्तानी को कोई खतरा नजर नहीं आता है। उनकी कप्तानी में लगातार चार टेस्ट हारने के बाद इस प्रकार की बहस होना सामान्य बात है। कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम पिछले साल की शुरूआत में न्यूजीलैंड में दो टेस्ट हारी थी जबकि इसके बाद टीम को आस्ट्रेलिया में दिसंबर में एडीलेड में पहले टेस्ट में भी करारी हार का सामना पड़ा और फिर उसे चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा।

पीटरसन ने लिखा, मैं चीजों के बदलने की बिलकुल भी उम्मीद नहीं की है हालांकि भारत की टेस्ट कप्तानी को लेकर जारी बहस से बचना असंभव है। उन्होंने कहा कि कोहली की गैरमौजूदगी में रहाणे ने खिलाड़ियो की चोटों की समस्या से जूझ रही भारतीय टीम की अगुआई की जिसने आस्ट्रेलिया में चार टेस्ट की सीरीज 2-1 से जीती। ऑस्ट्रेलिया में मिली इस शानदार जीत से इस बहस को हवा मिली कि कोहली की जगह रहाणे को ही टेस्ट कप्तान बनाया जाना चाहिए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने हालांकि कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि वह अपनी कप्तानी में टीम को जीत दिलाने में पूरी तरह सक्षम हैं।

व्यस्त कार्यक्रम के कारण नीलामी से बाहर रहने का फैसला किया : रूट

चेन्नई, (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान जो रूट ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए ही उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए 2021) नीलामी से बाहर रहने का फैसला किया था। आईपीएल नीलामी 18 फरवरी को चेन्नई में होगी जिसमें कुल 292 खिलाड़ियों के लिए बोली लगेगी। इनमें इंग्लैंड के ही मोइन अली, जैसन रॉय और मार्क वुड भी शामिल हैं।

रूट ने कहा, यह बेहद मुश्किल फैसला था। मैं किसी आईपीएल सत्र का हिस्सा बनने के लिये बेताब हूं और उम्मीद है कि फिर मैं कुछ सत्र तक इसका हिस्सा बना रहूंगा। चार मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा इंग्लैंड लाइर्स में 18 से 22 जून के बीच होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के दावेदारों में शामिल है। रुट जानते हैं कि फाइनल में न्यूजीलैंड से भिड़ने के लिये उसे दो और मैच जीतने होंगे।

वह जानते हैं कि इंग्लैंड की टीम इस साल काफी व्यस्त रहेगी। उसे अपनी धरती पर न्यूजीलैंड से दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। उसे एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी करना है लेकिन इससे पहले अगस्त से पांच टेस्ट मैचों के लिये भारत की मेजबानी करनी है। रूट ने कहा, इस साल हमें जितना टेस्ट क्रिकेट खेलना है उसे देखकर मुझे लगा कि यह आईपीएल में खेलने का सही समय नहीं है. मुझे नहीं लगता कि इससे इंग्लैंड की क्रिकेट को फायदा होगा। यह बेहद मुश्किल फैसला था। उम्मीद है कि अगले साल आईपीएल का हिस्सा बनने या कम से कम नीलामी में शामिल होने का मौका मिलेगा।

संजीव को 50 मीटर राइफल थ्री निशानेबाजी में स्वर्ण

नई दिल्ली, (संवाददाता)। अनुभवी राइफल निशानेबाज संजीव राजपूत ने शानदार फार्म जारी रखते हुए राष्ट्रीय चयन ट्रायल में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता है। संजीव ने इस साल चार में से तीन ट्रायल्स में जीत दर्ज की। उन्होंने सभी ट्रायल्स के फाइनल में जगह बनायी थी। संजीव ने अपने सभी चार ट्रायल्स में सर्वश्रेष्ठ क्वालीफाईंग स्कोर 1182 बनाया और शीर्ष पर रहकर आठ खिलाड़ियों में फाइनल में प्रवेश किया। वहीं युवा निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने 1181 अंक बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। ऐश्वर्य भी टोक्यो ओलंपिक के लिये कोटा हासिल कर चुके 15 निशानेबाजों में शामिल हैं। संजीव ने फाइनल में भी अपना कौशल दिखाया और 463.1 अंक बनाकर शीर्ष पर रहे। नीरज कुमार ने 459.6 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में विश्व की नंबर एक इलावेनिल वलारिवान ने भी अपनी अच्छी फार्म बरकरार रखी है। तीसरे ट्रायल्स के फाइनल में विश्व रिकार्ड से बेहतर स्कोर बनाने के बाद इलावेनिल ने चौथे ट्रायल्स में भी 251.6 अंक बनाकर जीत दर्ज की। वह क्वालीफिकेशन में भी 632.1 अंक बनाकर शीर्ष पर रही थी। टोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल कर चुकी यशस्विनी देसवाल ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के चौथे ट्रायल्स के फाइनल में 242.9 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं ओएनजीसी की श्वेता सिंह 240.6 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रही।

अक्षर पटेल ने किया टेस्ट पदार्पण, विराट ने सौंपी कैप

चेन्नई, (एजेंसी)। स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट में उतरने के साथ ही अपना टेस्ट पदार्पण किया है। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने अक्षर पटेल को टेस्ट कैप सौंपी। साल 2014 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले अक्षर पटेल ने भारत के लिए 38 एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्हें 45 विकेट हासिल हुए हैं, जबकि 11 टी20 मुकाबलों में उन्होंने 9 शिकार किए हैं। अक्षर का वनडे क्रिकेट में इकॉनामी रेट 4.43 का है जबकि टी20 क्रिकेट में वह प्रति ओवर 6.83 रन देते हैं। अक्षर को सिर्फ 18 साल की उम्र में गुजरात की तरफ से रणजी टीम में खेलने का मौका मिला।

मोइन की गेंद पर खाता भी नहीं खोल पाये विराट

चेन्नई, (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खाता भी नहीं खोल पाये और स्पिनर मोइन अली का शिकार बने। मोइन ने विराट को अपनी सबसे घूमती गेंद का शिकार बनाया।

विराट ने मोईन अली की गेंद को खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद में इतना घुमाव था कि वो कोहली के बैट और पैर के बीच से निकलकर स्टंप्स से टकरा गयी। मोईन अली की इस गेंद को देखकर विराट भी हैरान रह गए। वो कुछ देर तक क्रीज पर ही रहे। उन्होंने नॉन स्ट्राइक पर खड़े रोहित शर्मा से पूछा कि क्या हुआ। इसके बाद फील्ड अंपायर ने थर्ड अंपायर का सहारा लिया, जिसमें गेंद सीधे स्टंप्स से लगते हुए दिखी। वहीं कमेंट्री कर रहे महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इसे ड्रीम गेंद करार दिया।

तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले विश्व के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बने पाक के रजवान

करांची, (एजेंसी)। पाकिस्तानी टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज और बेहतर होकर सामने आयेगा। रिजवान विश्व के दूसरे बल्लेबाज विकेटकीपर हैं, जिसने तीनों फॉर्मेट में शतक बनाया है। इससे पहले न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कुलम ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया था। रिजवान पाकिस्तानी टीम की नई खोज कहे जा रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम के खिलाफ पहले टेस्ट और उसके बाद टी 20 में शतक लगाय है। एकदिवसीय क्रिकेट में वह दो शतक पहले ही लगा चुके हैं। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर के अनुसार रिजवान किसी भी हालात में बल्लेबाजी कर सकते हैं।

रिजवान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी 20 मैच में रिकॉर्ड शतक बनाने के बाद दुनिया के दूसरे बल्लेबाज विकेटकीपर बन गए, जिसने ऐसा किया है। इससे पहले न्यूजीलैंड के मैक्कुलम ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया था। मैक्कुलम ने टेस्ट मैच में 5 शतक, वनडे में 3 और टी 20 में एक शतक बनाया था। रिजवान ने टेस्ट में एक, वनडे में दो और टी20 में एक शतक बनाया है। रिजवान के द्वारा अफ्रीका के खिलाफ खेली गई 104 रनों की पारी किसी भी पाकिस्तानी बल्लेबाज द्वारा खेली गई दूसरी सबसे बडी पारी है। इससे पहले मार्च 2014 में अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ 111 रन बनाये थे।

पाक भी गेंदबाजों के लिए रोटेशन नीति अपनाएगा

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान भी अब गेंदबाजों पर बोझ कम करने के लिए रोटेशन नीति अपनाने पर विचार कर रहा है। टीम के कोच वकार युनूस ने कहा कि राष्ट्रीय टीम प्रबंधन तेज गेंदबाजों के लिये रोटेशन नीति पर काम कर रहा है जिससे बढते अंतरराष्ट्रीय और लीग मैचों के बीच उनके कार्यभार का सही तरीके से प्रबंधन किया जा सके। तेज गेंदबाज रहे वकार ने माना कि साल 2021 से 2023 के बीच पाकिस्तान को इतना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना है कि कार्यभार प्रबंधन जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा, हमारी मेडिकल पैनल, ट्रेनर और मैं स्वयं तेज गेंदबाजों की फिटनेस और कार्यभार पर नजर रखे हुए हूं।

इटली में सीरीज ए फुटबॉल मैच में खेलते हुए बोलेंगो और बेनविंटो के खिलाड़ी।